हिन्दी पाक्षिक

# सेमन्या कण्वघाटी

RNI No.: UTTHIN/2013/54659

वर्ष-12 अंक-20 हरिद्वार, सोमवार,01 सितम्बर, 2025 मूल्य-दो रूपया मात्र पृष्ठ-8

# अब अंतर्राष्ट्रीय खेल स्पर्धा आयोजन के लिए तैयार उत्तराखंड : मुख्यमंत्री

**देहरादून,संवाददाता ।** शुक्रवार को मेजर ध्यानचंद जयंती के अवसर पर बहुउद्देश्यी क्रीड़ा हाल परेड ग्राउंड में आयोजित राष्ट्रीय खेल दिवस - 2025, समारोह को संबोधित करते हुए, मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि खेल और खेल भावना समाज को ऊर्जा, अनुशासन और प्रेरणा प्रदान करती है। उन्होंने कहा कि मेजर ध्यानचंद ने अपनी स्टिक के जादू से पूरी दुनिया को भारत की खेल शक्ति से परिचित कराया। उन्होंने हिटलर तक को ये बता दिया कि देश भक्ति आखिर क्या होती है। उन्हीं के आदर्शों पर चलकर आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हमारा देश भी एक वैश्विक खेल शक्ति बन रहा है, इसमें उत्तराखंड भी अपनी भूमिका निभाने के लिए कमर कस चुका है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री "खेलो इंडिया" और फिट इंडिया मूवमेंट जैसे कार्यक्रमों के माध्यम से देश में खेल संस्कृति को प्रोत्साहित करने का प्रयास कर रहे हैं। आज हमारे खिलाड़ी केवल किसी प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए ही नहीं खेलते बल्कि जीतने और तिरंगा लहराने के संकल्प के साथ मैदान में उतरते हैं। हाल के वर्षों के उदाहरण देखें तो जहां, 2020 के टोक्यो ओलंपिक में भाला फेंक में नीरज चोपड़ा ने स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रचा वहीं पुरुष हॉकी टीम ने 41 वर्षों बाद कांस्य पदक हासिल किया। इसी तरह पेरिस ओलंपिक में नीरज चोपड़ा ने रजत पदक, मनु भाकर ने दो कांस्य पदक, स्वप्निल कुसले व अमन सेहरावत ने एक-एक कांस्य पदक जीतकर और पुरुष हॉकी टीम ने लगातार अपना दूसरा कांस्य पदक जीतकर भारत का गौरव बढ़ाया। हाल ही में हुई एशियाई एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में ज्योति याराज्जी, गुलवीर सिंह और अविनाश सबले ने स्वर्ण पदक जीतकर भारत का परचम बुलंद किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने खेल बजट तीन गुना बढ़ा दिया है।

### देवभूमि बनी खेलभूमि

मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड में आयोजित 38वें राष्ट्रीय खेलों के भव्य एवं सफल आयोजन ने उत्तराखंड को "देवभूमि" के साथ ही "खेलभूमि" के रूप में भी स्थापित करने का मार्ग प्रशस्त किया है। इस बार के राष्ट्रीय खेलों में हमारे खिलाड़ियों ने 103 पदक जीतकर पहली बार राष्ट्रीय खेलों में 7वां स्थान प्राप्त कर इतिहास रचने का कार्य किया।

### अब राज्य में विश्वस्तरीय स्पोर्ट्स इंफ्रास्ट्रक्चर विकसित हो गया है।

उत्तराखंड राष्ट्रीय ही नहीं, बल्कि इंटरनेशनल खेल प्रतियोगिताओं के आयोजन करने में भी सक्षम बना है। हाल ही में देश की एकमात्र ओलंपिक स्टैण्डर्ड हिमाद्रि आइस रिंक का जीर्णोद्धार किया गया है। जिसके फलस्वरूप इस आइस रिंक में इंटरनेशनल स्तर की प्रतियोगिता आयोजित की जा चुकी है, जो न केवल हमारे राज्य के लिए गौरव का विषय है, बल्कि भारत में शीतकालीन खेलों के एक नए युग का सूत्रपात करने में भी मील का पत्थर सिद्ध हुई है।

### आठ शहरों में बनेगी खेल अकादमियां

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार शीघ्र ही एक %स्पोर्ट्स लेगेसी प्लान% भी लागू करने जा रही है, जिसके अंतर्गत प्रदेश के आठ प्रमुख शहरों में 23 खेल अकादमियों की स्थापना की जाएगी। इन अकादमियों में प्रत्येक वर्ष 920 विश्वस्तरीय एथलीट और 1000 अन्य खिलाड़ी उच्च स्तरीय प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे। राज्य सरकार हल्द्वानी में उत्तराखंड के प्रथम खेल विश्वविद्यालय एवं लोहाघाट में महिला स्पोर्ट्स कॉलेज स्थापित कर रही है। नई खेल नीति के तहत राष्ट्रीय और इंटरनेशनल स्तर पर पदक विजेताओं को सरकारी नौकरी की सुविधा दी जा रही है। इसके साथ ही आवासीय स्पोर्ट्स कॉलेजों में अध्ययनरत खिलाड़ियों को नि:शुल्क प्रशिक्षण एवं शिक्षा, तथा प्रतिभावान युवाओं को प्रोत्साहित करने के लिए खेल-छात्रवृत्ति जैसी सुविधाएँ भी प्रदान की जा रही हैं।

राज्य सरकार %मुख्यमंत्री खेल विकास निधि%, %मुख्यमंत्री खिलाड़ी प्रोत्साहन योजना%, %मुख्यमंत्री उदीयमान खिलाड़ी योजना% तथा %खेल किट योजना% जैसे कार्यक्रमों के माध्यम से राज्य के उभरते हुए युवा खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने का भी काम कर रही है।

### खिलाड़ियों को किया सम्मानित

इस अवसर पर विभिन्न अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में पदक विजेता खिलाड़ियों को पुरस्कृत करते हुए, मख्यमंत्री ने कहा कि खेल दिवस के अवसर पर राज्य सरकार द्वारा कुल 250 से अधिक खिलाड़यों एवं उनके प्रशिक्षकों को लगभग 16 करोड़ रुपये की सम्मान राशि प्रदान की जा रही है। सम्मानित हो रहे खिलाड़ियों में पेरिस ओलंपिक 2024 में प्रतिभाग करने वाले खिलाड़ी मनदीप कौर, अमीषा रावत और मनोज सरकार को 50-50 लाख रुपये की सम्मान राशि प्रदान की गई है। इसी प्रकार, अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में स्वर्ण पदक जीतकर देश का गौरव बढ़ाने वाले शौर्य सैनी और अभिनव देशवाल को 30-30 लाख रुपये की सम्मान राशि से पुरस्कृत किया गया। इसके अलावा मुख्यमंत्री उदीयमान खिलाड़ी उन्नयन योजना के अंतर्गत 3,900 खिलाड़ियों तथा मुख्यमंत्री प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत 2,199 खिलाड़ियों को प्रतिमाह मिलने वाली उनकी छात्रवृत्ति की लगभग साढ़े 5 करोड़ रुपये की राशि भी प्रदान की गई।

### दो घोषणाएं की

सीएम ने कहा कि भारत ने वर्ष 2030 में राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी के लिए प्रयास शुरू कर दिए हैं, इसलिए खेल विभाग और युवा खिलाड़ियों को अभी से इसकी तैयारियों में जुटना होगा। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने परेड ग्राउंड में एथलेटिक सिंथेटिक ट्रैक बनाने और पवेलियन फुटबाल ग्राउंड में सिंथेटिक फुटबाल टर्फ लगाने की घोषणा की। इस मौके पर उन्होंने खेल स्पर्धाओं में पदक जीतने वाले खिलाड़ियों

मानसी नेगी को खेल विभाग और मोहम्मद अरशद को पुलिस विभाग में

### आउट ऑफ टर्न नियुक्ति पत्र भी प्रदान किए।

खेल मंत्री रेखा आर्या ने अपने संबोधन में कहा कि उत्तराखंड ने राष्ट्रीय खेलों के जरिए हर क्षेत्र में मानक स्थापित किए हैं। राज्य सरकार उत्तराखंड में खेल सुविधाओं का विकास करने में कामयाब रही है, इससे आने वाले समय में राज्य के हर घर से खिलाड़ी निकलेगा। समारोह को सांसद माला राज्यलक्ष्मी शाह, उपाध्यक्ष उत्तराखण्ड राज्य स्तरीय खेल परिषद श्री हेमराज बिष्ट, विशेष प्रमुख सचिव खेल अमित सिन्हा, निदेशक खेल श्री आशीष चौहान एवं खेल विभाग के अधिकारी मौजूद थे।

## पहाड़ों में लगातार हो रही बारिश से हरिद्वार में चेतावनी लेवल पार कर गई गंगा -धर्मनगरी में सूखी नदी में बही कार, जिला प्रशासन अलर्ट

**हरिद्वार,संवाददाता ।** उत्तराखंड में हो रही बारिश से जनजीवन अस्त व्यस्त हो गया है। पहाड़ों पर हो रही बारिश का असर मैदानी इलाकों पर भी पड़ रहा है। जिसके कारण हरिद्वार में गंगा उफान पर है। हरिद्वार में गंगा का जल स्तर खतरे के निशान को पार कर गया है। हरिद्वार में गंगा का खतरे का निशान 294.00 मीटर है। उत्तर प्रदेश सिंचाई विभाग के जेई हरीश प्रसाद के अनुसार पहाड़ों पर हो रही वर्षा के कारण गंगा का जल स्तर लगातार बढ़ रहा है। जिसके चलते सभी बाढ़ चौकियों को अलर्ट कर दिया है। गंगा के जल स्तर पर लगातार निगरानी की जा रही है। जिसकी जानकारी हरिद्वार जिला प्रशासन और उत्तर प्रदेश के बिजनौर बैराज को भी लगातार दी जा रही है।जिला प्रशासन की टीमें लगातार गंगा के समीपवर्ती गांव व आबादी क्षेत्रों को अनाउंसमेंट कर सूचना दे रही हैं। स्थानीय लोगों से अपील की जा रही है कि वे गंगा के किनारों से दूर रहें। दूसरी ओर हरिद्वार की सूखी नदी में कार बह गई। हालांकि इस घटना में किसी तरह की जनहानि की सूचना नहीं है। बारिश का मलबा और उफान में बहते वाहन का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है है। हरिद्वार में नदियों के उफान पर आने से श्रद्धालुओं में दहशत है। प्रशासन लगातार सभी से गंगा किनारों से दूर रहने की अपील कर रहा है। चमोली और रुद्रप्रयाग जिलों में भी नदिया उफान पर हैं। अलकनंदा, मंदाकिनी नदी का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है। जिला प्रशासन की टीमें लगातार लोगों को अलर्ट कर रही हैं। बता दें उत्तराखंड में अगले पांच दिन भी भारी रहने वाले हैं। मौसम विभाग ने इन दिनों में भारी बारिश की चेतावनी जारी की है। मौसम विभाग के अनुसार वहीं पिथौरागढ़, चंपावत, उधम सिंह नगर, हरिद्वार और उत्तरकाशी के अलर्ट जारी किया गया है। इसके अलावा टिहरी, पौड़ी, अल्मोड़ा और नैनीताल में येलो अलर्ट है। सभी जिलों में प्रशासन की टीमों को अलर्ट पर रखा गया है। सभी जिलाधिकारियों ने लैंडस्लाइड क्षेत्रों में जेसीबी मशीनें तैनात करने को भी कहा है। इसके साथ ही रिस्पॉन्स टाइम कम करने पर जोर दिया गया है।जिलाधिकारियों ने नदी-नालों और जलभराव वाले क्षेत्रों में टीमें तैनात करने को भी कहा है। प्रशासनिक टीमों को भी अलर्ट पर रहने को कहा गया है।जिला प्रशासन ने भी नदी, नालों के किनारे रहने वाले लोगों को अन्यत्र शिफ्ट करने एवं खाद्यान्न, ज़रूरी दवाओं आदि का पर्याप्त स्टॉक रखने के निर्देश दिए हैं।

## गुरुकुल में फायर करने वालों की पहचान के बाद दबिश जारी

**हरिद्वार ।** एमए का छात्र सूर्य प्रताप निवासी कृष्णानगर, कनखल ने तहरीर दी है कि वह अपने साथियों उदय प्रताप (बी.फार्मा), अनंत त्यागी और प्रथम राणा (बीबीए) के साथ सोमवार दोपहर करीब ढाई बजे कक्षा से लौट रहा था। सभी छात्र अमन चौक पहुंचे तभी दो युवक बाइक पर वहां पहुंचे और गोलीबारी शुरू कर दी। शिकायतकर्ता का कहना है कि उसने हमलावरों में से एक डीके उर्फ लालपुरिया निवासी बिजनौर को मौके पर पहचान लिया। छात्र किसी तरह जान बचाकर भागे। घटना को अंजाम देने के बाद दोनों आरोपी वहां से फरार हो गए। पीड़ित पक्ष ने आरोप लगाया है कि दोनों हमलावर आपराधिक प्रवृत्ति के हैं। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी चंद्रमोहन सिंह मौके पर पहुंचे और जांच पड़ताल की। पुलिस ने संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालनी शुरू कर दी है। पुलिस की एक टीम बिजनौर भेजी गई है। अधिकारियों का कहना है कि आरोपियों को जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

## सम्पादकीय

# एक जटिल सवाल

लोकतंत्र और आजादी सुनिश्चित करने के तमाम आधुनिक उपकरणों, जैसे संविधान आधारित शासन व्यवस्था, न्यायपालिका, मीडिया, तकनीक, नागरिक समाज आदि ने सचमुच लोकतंत्र और आजादी की रक्षा की है या इनके उत्तरोत्तर क्षरण का रास्ता बनाया है? यह एक जटिल सवाल है। एक समय 18वीं सदी के मध्य में महान दार्शनिक ज्यां जॉक रूसो के सामने सवाल था कि आधुनिक विज्ञान और कलाओं ने मनुष्य को बेहतर बनाया है या नैतिक रूप से भ्रष्ट बनाया है? रूसो का जवाब था कि आधुनिक कला और विज्ञान ने मनुष्य को नैतिक रूप से भ्रष्ट बनाया है। रूसो के निष्कर्ष के पौने तीन सौ साल और भारत की आजादी के 78 साल बाद कम से कम भारत के संदर्भ में कहा जा सकता है कि तमाम आधुनिक उपकरणों ने लोकतंत्र और आजादी को सीमित किया है या सीमित करने का प्रयास किया है। दुर्भाग्य की बात यह है कि देश के नागरिक भी किसी सामाजिक, धार्मिक, सांस्कृतिक या राजनीतिक दबाव में आजादी को सीमित करने के प्रयासों का समर्थन कर रहे हैं या उसमें सक्रिय भागीदारी निभा रहे हैं। एक तरफ सरकारें वाक व अभिव्यक्ति की आजादी को नियंत्रित करने के नए कानून ला रही हैं और संप्रेषण के नए माध्यमों को भी सत्ता तंत्र की मदद से नियंत्रित किया जा रहा है तो दूसरी ओर नागरिक समाज स्वेच्छा से अपनी आजादी गंवाने की प्रक्रिया में शामिल हो रहा है। अगर नागरिक समाज अपने अधिकारों और अपनी आजादी के प्रति सजग रहे तो वह सरकारी दमन का सफल प्रतिरोध कर सकता है। लेकिन मुश्किल यह है कि नागरिक समाज ही अपनी आजादी गंवाने में प्रत्यक्ष या परोक्ष योगदान कर रहा है। असल में भारत में आजादी को सिर्फ एक राजनीतिक अवधारणा बना दिया गया है। जब आजादी की बात होती है तो घूम फिर कर बात इस पर आ जाती है कि आपको सत्ता प्रतिष्ठान या शीर्ष पर बैठे राजनेता की आलोचना का अधिकार है या नहीं? यानी राजनीतिक बयान देने का अधिकार है या नहीं? माना जाता है कि अगर आपको राजनीतिक बयान देने का अधिकार है तो इसका मतलब है कि आप आजाद हैं। लेकिन ऐसा नहीं होता है। आजादी किसी राजनीतिक प्रतिष्ठान या किसी संविधान ने नहीं दी है या वह राजनीतिक बयानों तक सीमित नहीं है। मनुष्य आजाद पैदा होता है और उसके मौलिक अधिकार, जिसमें खाने पीने की आजादी, पहनावे की आजादी, अपने मूल्यों के साथ जीवन जीने की आजादी आदि शामिल हैं, उसको स्वाभाविक रूप से मिलते हैं। लेकिन आजादी के 78 साल बाद यह स्थिति है कि कहीं खान पान की आजादी को नियंत्रित किया जा रहा है, कहीं पहनावे पर पाबंदी लगाई जा रही है, कहीं भाषा बोली को नियंत्रित किया जा रहा तो कहीं शादी की उम्र और पसंद को लेकर लोगों को कठघरे में खड़ा किया जा रहा है। इस बुनियादी बात को ही भुला दिया गया है कि अभिव्यक्ति की आजादी का मतलब सिर्फ बोलने की आजादी नहीं है, बल्कि अपनी पसंद का जीवन जीने की आजादी है। यह ध्यान रखने की जरुरत है कि नागरिकों की मौन या मुखर सहमति और नागरिक समाज की भागीदारी के बगैर लोकतंत्र और आजादी पर पहरा नहीं बैठाया जा सकता है और न उसे सीमित किया जा सकता है। इंदिरा गांधी के प्रयास को इस देश के नागरिकों ने असफल बनाया था। मगर आज स्थितियां बदल गई हैं। अगर आज महाराष्ट्र में वहां की सरकार स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर मांस की बिक्री पर पाबंदी लगा रही है तो यह एक बड़े नागरिक समूह की सहमति के बगैर संभव नहीं है। पहली नजर में ऐसा लगेगा कि यह कितनी छोटी बात है! यह तर्क भी दिया जा रहा है कि अगर एक दिन मांसाहार नहीं करेंगे तो क्या आफत आ जाएगी! लेकिन यह छोटी बात नहीं है और न एक दिन की बात है। धार्मिक त्योहारों के सम्मान में नागरिक समाज की ओर से इसकी शुरुआत हुई थी। कहा गया कि जैन समुदाय के पर्यूषण पर्व के मौके पर महाराष्ट्र और देश के अन्य हिस्सों में मांस, मछली की दुकानें बंद रहेंगी। फिर कहा गया कि नवरात्रों में दिल्ली और देश के अन्य हिस्सों में मांस, मछली की दुकानें बंद रहेंगी। इसके बाद कहा गया कि कांवड़ यात्रा के समय कांवड़ के पूरे रास्ते में मांसाहार की दुकानें बंद रहेंगी। और अब कहा जा रहा है कि स्वतंत्रता दिवस के दिन भी लोगों को मांसाहार की आजादी नहीं होगी। नागरिक समाज या एक धार्मिक समूह की ओर से किसी खास त्योहार के मौके पर पाबंदी लगाने की जो शुरुआत हुई थी वह सांस्थायिक होती जा रही है। सरकार अब कानून बना कर या आदेश पारित करके लोगों की फूड च्वाइस को नियंत्रित करना चाहती है। इसको छोटी बात नहीं माना जा सकता है। क्योंकि यह संयोग नहीं, बल्कि प्रयोग का हिस्सा है। एक बड़ा समूह इस पर चुप है, लेकिन इस चुप्पी में उसकी रक्षा नहीं है। आगे उसकी भी बारी आएगी। इसी तरह एक कथित संत अनिरुद्धाचार्य ने लड़कियों को लेकर एक बेहद आपत्तिजनक बयान दिया। उन्होंने 25 साल की उम्र से पहले शादी की सलाह देते हुए कहा कि %25 साल की लड़की चार जगह मुंह मार चुकी होगी तो वह किसी रिश्ते को कैसे निभाएगी'। इस पर विवाद हुआ तो एक स्टैंडर्ड सफाई आई कि उनकी बातों को काट छांट कर प्रस्तुत किया गया। इसके बाद आए एक दूसरे कथित सम्मानित संत प्रेमानंद जी महाराज आए तो उन्होंने अपना निष्कर्ष सुनाया कि, %आजकल सौ में मुश्किल से चार पांच लड़कियां ही पवित्र होती हैं, बाकी सब ब्वॉयफ्रेंड गर्लफ्रेंड में लगे रहते हैं'। इनके समर्थन में उतरे महंत राजू दास ने महिलाओं को लेकर कहा, %समाज में अर्धनग्न घूम रहे हैं यह उचित नहीं है। मातृशक्ति पूजा के योग्य है लेकिन अर्धनग्नता नहीं, यह समाज में स्वीकार के योग्य नहीं है'। ये तीन बयान सिर्फ विवादित बयान नहीं हैं। इनकी भाषा तो बेहद भद्दी, अश्लील और आलोचना के योग्य है ही लेकिन इसके पीछे का पूरा विचार आजादी को प्रतिबंधित करने वाला है। दुर्भाग्य से यह काम कोई सरकार नहीं कर रही है, बल्कि सत्ता संरक्षित कथित संत इस तरह की बातें कर रहे हैं और नागरिक समाज उसका समर्थन और बचाव कर रहा है। अब सवाल है कि अगर 78 साल में हमारी आजादी मजबूत हुई है, हमारा लोकतंत्र मजबूत हुआ है, तकनीक ने हमें अपने को अभिव्यक्त करने की बेहतर सुविधा दी है तो हम उसका क्या कर रहे हैं?

# बाढ़ : प्राकृतिक आपदा या मानवजनित त्रासदी ?

**सुनील कुमार महला**

इस साल देशभर में बारिश बहुत ज्यादा कहर मचा रही है। जगह-जगह तबाही का आलम है।बरसात, जो कभी वरदान कहलाती थी, आज कई राज्यों में कहर बनकर बरस रही है।सच तो यह है कि इस बार मॉनसून ने अपनी रौद्र लीला से पूरे उत्तर भारत को हिलाकर रख दिया है। देश में बहुत सी नदियां उफान पर हैं,तो बांध खतरे के निशान को छू रहे हैं, और जगह-जगह भूस्खलन व बादल फटने की घटनाएं प्रकृति के रौद्र रूप की भयावह तस्वीर पेश कर रही हैं। मीडिया के हवाले से आई खबरों से पता चलता है कि उत्तर भारत में लगातार भारी बरसात के बाद जम्मू के कटरा स्थित वैष्णोदेवी धाम के मार्ग पर भूस्खलन से अब तक 38 लोगों की मौत हो गई है। बहुत ही दुखद है कि दर्शन की लालसा में निकले श्रद्धालु अचानक आई इस त्रासदी का शिकार हो गए। जानकारी के अनुसार मंदिर दर्शन के लिए जा रहे कई श्रद्धालु अर्धकुंवारी के पास मार्ग पर भूस्खलन व भारी बारिश की चपेट में आ गए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार मंदिर मार्ग पर कई जगह पत्थर गिरने से हादसे हुए।सेना के जवान और बचाव दल लगातार राहत कार्यों में जुटे हैं।इधर, भूस्खलन के बाद वैष्णोदेवी की यात्रा भी रोक दी गई। इस घटना पर हमारे देश के प्रधानमंत्री सहित देशभर ने मृतकों के प्रति गहरा शोक व संवेदना व्यक्त की है। यह पहली बार है कि वैष्णो देवी यात्रा में इतनी बड़ी त्रासदी सामने आई है। यहां पाठकों को बताता चलूं कि जम्मू-कश्मीर में पिछले 24 घंटों में 210 एमएम तथा जम्मू में 380 बारिश दर्ज की गई है। यहां हुई बारिश ने पिछले कई सालों का रेकॉर्ड तोड़ दिया है। मीडिया में आया है कि जम्मू-पठानकोट तथा जम्मू-श्रीनगर हाइवे को भारी क्षति पहुंची है। तवी, चिनाब नदी सहित अन्य नदियों के उफान व बाढ़ से स्थानीय जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। जानकारी के अनुसार सेना ने 10 हजार से ज्यादा लोगों को सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाया है।इधर, रेलवे ने जम्मू मार्ग की 58 ट्रेनों का संचालन निरस्त किया है, वहीं 18 ट्रेनों का रूट बदला गया है। उधर, हिमाचल प्रदेश की नदियां व्यास-सतलुज व रावी में भारी बाढ़ चल रही है। चंडीगढ़-मनाली हाइवे को भारी क्षति होने से कुल्लु व मनाली का सम्पर्क कट गया है। लेह एयरपोर्ट से सभी उड़ानें निरस्त कर दी गई हैं। इतना ही नहीं, पठानकोट पंजाब के माधोपुर हेडवर्क्स के निकट बुधवार 27 अगस्त को सेना के हेलिकॉप्टर ने एक इमारत से 22 सीआरपीएफ जवानों और नागरिकों को निकालकर एक बड़ा हादसा टाल दिया। पंजाब में बाढ़ जैसे हालात हैं। उपलब्ध जानकारी के अनुसार पोंग व भाखड़ा-नांगल बांधों से पानी निकासी के बाद भयानक बाढ़ से पठानकोट, गुरदासपुर, होशियारपुर, कपूरथला, फिरोजपुर सहित कई क्षेत्रों में हालात बिगड़ गए। गुरदासपुर में नवोदय विद्यालय के ग्राउंड फ्लोर पर 5 फीट से ज्यादा पानी भरने से 400 विद्यार्थी व शिक्षक फंस गए। रावी नदी में बाढ़ के कारण करतारपुर कॉरिडोर पर 7 फीट तक पानी भर गया। इसके कारण पाकिस्तान में करतारपुरा गुरुद्वारा साहिब भी डूब गया बताते हैं। उपलब्ध जानकारी के अनुसार सभी को निकालते ही इमारत भी बह गई।इसी क्रम में हिमाचल प्रदेश की नदियां भी रौद्र रूप धारण कर चुकी हैं। चम्बा में मणि महेश यात्रा बाधित हुई और करीब 2,000 यात्री जगह-जगह फंसे। पंजाब में बांधों(डैम्स)का पानी खतरे के निशान तक पहुंच गया है और गेट खोलने की नौबत आ चुकी है। छत्तीसगढ़ में हालात बुरे हैं। जानकारी के अनुसार छत्तीसगढ़ के बस्तर संभाग में बीते दो दिन बारिश ने तबाही मचा दी।इसे 94 साल बाद बड़ी आपदा बताया जा रहा है। खबरों के अनुसार बीते 24 घंटे में 217 एमएम बारिश दर्ज की गई है तथा सेना ने हेलिकॉप्टर से बाढ़ में फंसे 100 लोगों को रेस्क्यू किया है। एक जानकारी के अनुसार यहां कार के साथ बहे परिवार के चार लोगों की मौत हो गई।इधर, उत्तराखंड और जम्मू-कश्मीर में भी हालात बेकाबू होते जा रहे हैं। सड़कें, पुल और मार्ग बाधित हो रहे हैं। कहना ग़लत नहीं होगा कि धार्मिक यात्राओं पर यह प्राकृतिक प्रकोप गहरा असर डाल रहा है। बहरहाल, पाठकों को बताता चलूं कि आइएमडी के अनुसार जम्मू-कश्मीर, उत्तराखंड, हिमाचल, पूर्वी राजस्थान, हरियाणा, गुजरात-कोंकण व मध्य महाराष्ट्र में अगले 7 दिन भारी बरसात की संभावना जताई गई है।पश्चिमी व दक्षिणी राजस्थान में 29 से 31 अगस्त तक, उत्तरप्रदेश में 1 से 2 सितम्बर तक तथा छत्तीसगढ़, बिहार व झारखंड में 28 अगस्त से 1 सितम्बर तक भारी बारिश की संभावना जताई गई है। आंकड़े बताते हैं कि उत्तर भारत में 12 साल बाद सबसे ज्यादा बारिश हुई है। विदित हो कि साल 2013 में केदारनाथ में आई विनाशकारी बाढ़ के बाद उत्तर भारत में इस साल सामान्य से 21% ज्यादा बारिश हुई हैं। आइएमडी के अनुसार 2021 के बाद इस बार उत्तर भारत के राज्यों में बेहद भारी बरसात हुई हैं। कहना ग़लत नहीं होगा कि आज अंधाधुंध विकास के बीच हम प्रकृति से लगातार खिलवाड़ कर रहे हैं और हमें इसका खामियाजा भुगतना पड़ रहा है। प्राकृतिक आपदाओं के सामने मनुष्य आज असहाय प्रतीत होता है। निश्चित ही इससे देश की अर्थव्यवस्था प्रभावित होती है। हजारों लोगों की आजीविका पर भी व्यापक असर पड़ता है।

जन-जीवन अस्त-व्यस्त तो होता ही है। ऐसे में सरकार और संबंधित राज्य प्रशासन की यह जिम्मेदारी बनती है कि यात्रियों की सुरक्षा, मार्गों की मरम्मत, मौसम की पूर्व चेतावनी और आपदा-निवारण व्यवस्था को मजबूत करें।बारिश का यह कहर हमें कहीं न कहीं एक गहरा संदेश देता है - प्रकृति को हल्के में लेना हमारी सबसे बड़ी भूल है।बाढ़ अत्यधिक वर्षा, नदियों के उफान, बांध टूटने या बादल फटने के कारण आती है। इसमें नदियाँ और नाले खतरे के निशान से ऊपर बहने लगते हैं, जिससे गांव-शहर जलमग्न हो जाते हैं। कहना ग़लत नहीं होगा कि मनुष्य अपनी सुविधाओं और लालच के लिए लगातार प्रकृति से खिलवाड़ कर रहा है।

जंगलों की कटाई, नदियों का दोहन, प्रदूषण, अंधाधुंध शहरीकरण और औद्योगिकीकरण ने पर्यावरण का संतुलन बिगाड़ दिया है। इसका परिणाम हमें भूकंप, बाढ़, सूखा, भूस्खलन, ग्लोबल वार्मिंग और जलवायु परिवर्तन जैसी आपदाओं के रूप में भुगतना पड़ रहा है। अंत में यही कहूंगा कि प्रकृति और विकास का संतुलन बनाए रखना मानव जीवन के लिए आवश्यक है। केवल आर्थिक प्रगति ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि पर्यावरण और पारिस्थितिकी का संरक्षण भी उतना ही ज़रूरी है। सतत विकास वही है, जिसमें प्राकृतिक संसाधनों का उपयोग सोच-समझकर किया जाए। पेड़-पौधों, जल, भूमि और वायु को सुरक्षित रखकर ही आने वाली पीढ़ियों को बेहतर जीवन दिया जा सकता है। हमें यह चाहिए कि हम प्रकृति का सम्मान करें और संसाधनों को नष्ट न करें, अन्यथा प्रकृति हमें कहीं का भी नहीं छोड़ेगी।

# पुलिस एनकाउंटर में यूपी का बदमाश घायल, दूसरा फरार होने में कामयाब

## चेन स्नेचिंग को अंजाम देकर भाग रहे थे बदमाश

**हरिद्वार ( संवाददाता )।** जिले के रुड़की में बीती देर रात पुलिस और बदमाशों के बीच मुठभेड़ हो गई। जवाबी फायरिंग में पुलिस की गोली लगने से एक बदमाश घायल हो गया, जबकि एक बदमाश मौका पाकर फरार हो गया। बताया जा रहा है कि दोनों बदमाश चेन स्नेचिंग की घटना को अंजाम देकर आए थे, वहीं पकड़ा गया बदमाश उत्तर प्रदेश का रहने वाला है। पुलिस ने घायल बदमाश को अस्पताल में भर्ती कराया है और फरार बदमाश की तलाश शुरू कर दी है।

पुलिस के मुताबिक बीती देर रात पुलिस को सूचना मिली कि बाइक सवार बदमाशों ने मोबाइल छीनने की घटना को अंजाम दिया है, सूचना पर तत्काल सिविल लाइन कोतवाली प्रभारी निरीक्षक मय पुलिस फोर्स के साथ सोनाली पार्क पर जाने वाले मोड़ पर संदिग्ध वाहनों की चेकिंग करने लगे। इसी दौरान पिरान कलियर की तरफ से एक बिना नंबर की बाइक जिस पर दो व्यक्ति सवार थे को रोकने का प्रयास किया गया, जिस पर पीछे बैठे व्यक्ति ने अचानक पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी, जिसके बाद पुलिस टीम ने मोटरसाइकिल का पीछा किया।

इसी बीच दोनों गंगनहर के बीच वाली पटरी पर बाइक सवार बदमाशों की बाइक अचानक फिसल गई और वह नीचे गिर गए। वहीं पुलिस के मुताबिक बदमाश पुलिस पार्टी पर लगातार फायर कर रहा था, जिसके बाद पुलिस टीम ने अपना बचाव करते हुए बदमाशों को सरेंडर करने की चेतावनी देते हुए बदमाशों पर फायर कर दिया, वहीं पुलिस की जवाबी फायरिंग में एक बदमाश के पैर में गोली लग गई और वह घायल हो गया, जबकि एक बदमाश मौके से फरार होने में कामयाब रहा।

पुलिस टीम ने घायल बदमाश को तत्काल उपचार के लिए रुड़की के सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसका उपचार चल रहा है। वहीं पुलिस की पूछताछ में घायल बदमाश ने अपना नाम बादल, निवासी चौंधा हेड़ी थाना देवबंद जिला सहारनपुर (उत्तर प्रदेश) बताया। इसी के साथ जब उससे पुलिस पार्टी पर फायर करने का कारण पूछा गया तो उसने बताया कि बीते दिन रुड़की के पीर बाबा कॉलोनी के सामने से एक महिला की चेन छीनी थी और अन्य घटना को अंजाम देने की फिराक में थे। वहीं घायल आरोपी ने मौके से फरार होने वाले अपने साथी का नाम ऋतिक बताया, फिलहाल पुलिस मौके से फरार हुए आरोपी की तलाश में कॉम्बिंग की कर रही है।

# हरिद्वार में स्पा सेंटर में जिस्मफरोशी का धंधा

## –आपत्तिजनक हालत मिले 5 महिलाएं और 2 पुरुष

**हरिद्वार ( संवाददाता )।** कहने को तो हरिद्वार धर्मनगरी है, लेकिन यहां कई अनैतिक काम भी हो रहे हैं। जिसके चलते हरिद्वार बदनाम हो रहा है। ऐसा ही एक मामला एक मॉल से सामने आया है। जहां एक स्पा सेंटर में जिस्मफरोशी के धंधे का भंडाफोड़ हुआ है। स्पा सेंटर के अंदर से 5 महिलाएं और 2 पुरुष आपत्तिजनक हालत में मिले, जिन्हें अब हिरासत में ले लिया गया है। दरअसल, हरिद्वार में स्पा सेंटर की आड़ में देह व्यापार का मामला सामने आया है। एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट और सिडकुल पुलिस की संयुक्त टीम ने एक मॉल में स्थित स्पा एंड सैलून सेंटर में छापा मारा। छापेमारी के दौरान 5 महिलाएं और 2 पुरुष आपत्तिजनक अवस्था में मिले। जिन्हें आपत्तिजनक सामग्री के साथ हिरासत में लिया गया। साथ ही सभी को हिरासत में लेकर सिडकुल थाने लाया गया।

स्पा सेंटर में पकड़े गए ऋषिकेश निवासी दो पुरुष सचिन और गणेश समेत सभी के खिलाफ अनैतिक देह व्यापार निवारण अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस की मानें तो स्पा सेंटर एवं सैलून संचालिका हरियाणा की रहने वाली है। जिसके खिलाफ पुलिस ने अनियमितता पाए जाने पर चालानी कार्रवाई की है। इसके साथ ही देह व्यापार से जुड़े अन्य व्यक्तियों के आपराधिक इतिहास की जानकारी जुटाई जा रही है।

बता दें कि उत्तराखंड के हरिद्वार जिले में वेश्यावृत्ति का धंधा जोरों पर चल रहा है। जिसकी तस्दीक आए दिन सामने आ रहे जिस्मफरोशी के मामले दे रहे हैं। कभी हेल्थ क्लब में तो कभी होटल तो कभी स्पा सेंटर में जिस्मफरोशी के धंधे का खुलासा हो रहा है। कई ऐसे मामलों पर पुलिस कार्रवाई भी कर चुकी है, लेकिन जिस्मफरोशी में लिप्त लोग सुधरने का नाम नहीं ले रहे हैं। जो हरिद्वार की पवित्रता और आस्था पर ठेस पहुंचाने का काम कर रहे हैं। हरिद्वार पुलिस का कहना है कि हरिद्वार में जिस्मफरोशी के खिलाफ सख्ती से कार्रवाई की जा रही है। इसके लिए लगातार छापेमारी की कार्रवाई को अंजाम दिया जा रहा है।

# चेतावनी निशान से 10 सेंटीमीटर नीचे बही गंगा

**हरिद्वार ।** भीमगोड़ा बैराज पर बुधवार को गंगा चेतावनी निशान से 10 सेंटीमीटर नीचे बही। गंगा का अधिकतम जलस्तर 293.90 मीटर रिकॉर्ड किया गया। पहाड़ों में हो रही लगातार बारिश के कारण हरिद्वार में गंगा उफान पर है। गंगा में अतिरिक्त जल की निकासी भी की जा रही है, जिसके चलते बीते एक माह से बैराज पर जलस्तर सामान्य से अधिक बना हुआ है। बुधवार सुबह से ही गंगा का जलस्तर बढ़ने लगा। इस दौरान बैराज से निचले इलाकों की ओर पानी की निकासी भी तेज रही। बुधवार को निचले क्षेत्रों में पानी का अधिकतम डिस्चार्ज 1,40,000 क्यूसेक दर्ज किया गया। इससे तटवर्ती क्षेत्रों में बाढ़ का खतरा उत्पन्न हो गया है। जलस्तर बढ़ने के कारण कई इलाकों में भूमि कटाव भी हो रहा है, जिससे किसानों की फसलें प्रभावित हो रही हैं। गंगा के बढ़ते जलस्तर को देखते हुए जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने निचले इलाकों के लिए अलर्ट जारी किया है। यूपी सिंचाई विभाग के जूनियर इंजीनियर हरीश कुमार ने बताया कि शनिवार सुबह गंगा चेतावनी निशान के करीब बहने लगी थी। उन्होंने बताया कि गंगा का चेतावनी निशान 293 मीटर और खतरे का निशान 294 मीटर है। पहाड़ी क्षेत्रों में लगातार हो रही बारिश के कारण गंगा का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है।

# स्वामी दामोदराचार्य बने, रामानुज कोट आश्रम के उत्तराधिकारी महंत : जगद्गुरु रामानुजाचार्य स्वामी स्वामी मोदनारायणाचार्य ने की घोषणा

**हरिद्वार ।** भूपतवाला स्थित रामानुज कोट आश्रम के पीठाधीश्वर बैकुंठ वासी जगद्गुरु- रामानुजाचार्य त्रिदंडी स्वामी श्री शेषनारायणाचार्य, जीयर महाराज की पुण्यतिथि पर हरिद्वार के गणमान्य संत- महंतों, धार्मिक एवं सामाजिक संगठनों एवं राजनीतिक हस्तियों ने पहुंचकर अपनी श्रद्धांजलि दी। वहीं स्वामी दामोदराचार्य, दिव्यांश वेदांति महाराज को उत्तराधिकारी बनाने की घोषणा की गई। रामानुज कोट आश्रम में आयोजित श्रद्धांजलि सभा में आश्रम के पीठाधीश्वर महंत स्वामी मोदनारायणाचार्य की ओर से घोषणा की गई। सभा में मौजूद सभी गणमान्य संत महंतों ने स्वामी दामोदराचार्य को शुभकामनाएं दी। बताते चलें कि रामानुज कोट आश्रम के पूर्व पीठाधीश्वर महंत ब्रह्मलीन जगद्गुरु रामानुजाचार्य स्वामी शेषनारायणाचार्य महाराज की पुण्यतिथि पर गुरुवार को श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। इस मौके पर बाबा हठयोगी, स्वामी ऋषिश्वरानंद, महंत दुर्गादास सहित अन्य गणमान्य संत महंत शामिल हुए। सभी संतों ने एक स्वर में स्वामी दामोदराचार्य को उत्तराधिकारी नियुक्त करने के निर्णय का स्वागत करते हुए शुभकामनाएं दी। वहीं सभी संतों ने साकेतवासी जगद्गुरु रामानुजाचार्य स्वामी शेषनारायणाचार्य महाराज को याद करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम की अध्यक्षता स्वामी मोदनारायणाचार्य एवं संचालन स्वामी ऋषिश्वरानंद महाराज ने किया। कार्यक्रम में महंत दुर्गादास, स्वामी दिनेश दास, प्रहलाद दास , चिन्ना स्वामी, आशुतोष महाराज, लक्ष्मी प्रसाद त्रिपाठी, मुकुल नारायण झा, विकास कुमार झा, सहित अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे।

# सेवा भारती उत्तराखंड जिला हरिद्वार के द्वारा 3 दिवसीय मेंहदी प्रशिक्षण का शिविर लगाया

**हरिद्वार ( संवाददाता )।** दिनांक 25 अगस्त को सेवा भारती उत्तराखंड जनपद हरिद्वार के द्वारा मेंहदी प्रशिक्षण शिविर का शुभारंभ हुआ।26,27 ,28 तीन दिनो तक कुशल मेंहदी प्रशिक्षक बहनों द्वारा कक्षा 11 व 12 वीं की लगभग 40 बहनों को मेंहदी का प्रशिक्षण दिया। संजय जैन जी ने कहा कि मेंहदी का प्रशिक्षण लेकर बहनें स्वाबलंबी बन सकती हैं। बलदेव जी ने कहा कि काम कोई छोटा बड़ा नहीं होता,, व्यक्ति की सोच छोटी बड़ी होती है ।इसलिए अधिक से अधिक बहनों को इस प्रशिक्षण को गंभीरता से करना चाहिए। बहनें ,,इस प्रशिक्षण के बाद आत्मनिर्भर हो सकती हैं ।ज्ञात हो कि इसी माह में रक्षाबंधन एवं तीज पर्व के अवसर पर भी सेवा भारती उत्तराखंड ---हरिद्वार के द्वारा जिले में कई स्थानों पर महिलाओं के हाथों पर मेहंदी लगाने के लिए शिविर लगाए थे। रानीपुर नगर में दीप गंगा में , दीक्षा राइजिंग स्कूल में,पाइन क्रीस्ट स्कूल ज्वालापुर में महिलाओं को मेंहदी लगाई गई। इस अवसर पर तरूण हिमालय विद्यालय के प्रधानाचार्य श्री राकेश ममगई जी, जिला अध्यक्ष श्रीमान संजय जैन जी, जिला सह मंत्री मुदित जी, सह नगर कार्यवाह श्री बलदेव जी एवं मेंहदी प्रशिक्षक कु अंजली व कु मुस्कान उपस्थित रहे।

# देहरादून: दून पुलिस ने सुलझाई स्नेचिंग की गुत्थी, एक आरोपी गिरफ्तार

**देहरादून ।** विकासनगर में हुई स्नेचिंग की एक घटना का दून पुलिस ने खुलासा करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से छीना गया मोबाइल, मोटरसाइकिल और अन्य सामान भी बरामद किया है। मामला 27 अगस्त, 2025 का है, जब शिकायतकर्ता फतेह सिंह चौहान ने विकासनगर कोतवाली में शिकायत दर्ज कराई कि उनका एक परिचित 'शहीद' उन्हें शराब पिलाने के बाद उनका मोबाइल, एटीएम, पैसे और मोटरसाइकिल लेकर फरार हो गया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, देहरादून के निर्देश पर गठित एक टीम ने सीसीटीवी फुटेज और मुखबिरों की मदद से जांच शुरू की। देर रात मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने बी.डी.एम. स्कूल के पास से आरोपी शहीद पुत्र सफीक (34 वर्ष) को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी के पास से शिकायतकर्ता का आईफोन, डीसीबी बैंक का एटीएम कार्ड और मोटरसाइकिल नंबर UK16 -4321 बरामद किया है।

# मुख्य सचिव ने की आपदा राहत एवं पुनर्वास कार्यों की समीक्षा

**देहरादून ।** मुख्य सचिव आनन्द बर्द्धन ने बुधवार को सचिवालय में प्रदेश में आपदा प्रभावितों क्षेत्रों, विशेषकर धराली आपदा प्रभावितों के लिए राहत एवं पुनर्वास कार्यों की समीक्षा की। मुख्य सचिव ने सचिव आपदा एवं आयुक्त गढ़वाल से धराली में राहत एवं रेस्टोरेशन कार्यों की अद्यतन स्थिति की जानकारी ली। मुख्य सचिव ने सचिव लोक निर्माण विभाग और सचिव सिंचाई को प्रभावित क्षेत्र का दौरा कर गंगोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग के अस्थायी झील में डूबे हिस्से के लिए तत्काल वैकल्पिक मार्ग तैयार किए जाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि प्रभावित क्षेत्र के लिए अन्य पैदल और वैकल्पिक मार्गों को भी दुरूस्त किया जाए। उन्होंने सर्च ऑपरेशन्स को निरन्तर जारी रखते हुए नवीनतम तकनीक का उपयोग कर सर्च कार्यों में तेजी लाए जाने के भी निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि आपदा प्रभावितों के लिए रहने और खाने की उचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

मुख्य सचिव ने कहा कि मुख्य सड़क मार्ग बाधित होने से प्रभावित क्षेत्र के साथ ही उससे आगे के पूरे क्षेत्र में फल एवं सब्जी उत्पादकों को अपने उत्पादों के लिए बाजार की समस्या खड़ी हो गयी है। उन्होंने सचिव कृषि को निर्देश दिए कि उत्तराखण्ड हॉर्टीकल्चर बोर्ड और मंडी परिषद द्वारा प्रभावित क्षेत्रों में उत्पादों की खरीद सुनिश्चित करायी जाए। साथ ही, जीएमवीएन एवं केएमवीएन के बाजार प्रकोष्ठ को भी सक्रिय कर बाजार उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने इन क्षेत्रों में कोल्ड स्टोरेज की व्यवस्था भी सुनिश्चित की जाए।

मुख्य सचिव ने कहा कि प्रभावितों की आजीविका की दिशा में भी कार्य किए जाने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि ऐप्पल मिशन, कीवी मिशन और वीर चंद्र सिंह गढ़वाली स्वरोजगार योजना, होम स्टे जैसी विभिन्न योजनाओं को लेकर प्रभावितों की आजीविका में सहायता के लिए कार्ययोजना तैयार की जाए। उन्होंने आपदा में हुयी पशुधन हानि से सम्बन्धित मुआवजा तत्काल वितरित किए जाने के भी निर्देश दिए हैं।

मुख्य सचिव ने प्रभावित क्षेत्र में स्कूल, अस्पताल और आंगनवाड़ी केन्द्र के लिए तत्काल प्रीफैब भवन तैयार किए जाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि आपदा से लोगों के प्रमाणपत्र एवं अन्य आवश्यक दस्तावेज भी नष्ट हो गए होंगे। इसके लिए शीघ्र मल्टीपरपज कैम्प लगाकर तत्काल प्रमाणपत्र उपलब्ध कराए जाएं। मुख्य सचिव ने लापता लोगों के लिए सिविल डेथ के प्रमाणीकरण की प्रक्रिया को भी शीघ्र शुरू किए जाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि विदेशी लापता लोगों (नेपाली मूल के श्रमिक एवं विदेशी पर्यटक) के लिए भी सिविल डेथ के प्रमाणीकरण की निर्धारित प्रक्रिया शीघ्र शुरू कर ली जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि सम्पत्ति क्षति मुआवजा का आंकलन करने के लिए आधुनिकतम तकनीक और सैटेलाइट इमेजरी का उपयोग किया जाए। इसके लिए यूकॉस्ट की सहायता से शीघ्र आंकलन किया जाए। मुख्य सचिव ने कहा कि यूएसडीएमए द्वारा पिछले वर्षों में किए गए सभी अध्ययनों एवं संकलित डाटा का विश्लेषण करा कर भी उपयोग में लाया जाए। उन्होंने डीजी यूकॉस्ट को प्रदेश की सभी ग्लेशियरों और ग्लेशियर झीलों और उनके रास्ते में पड़ने वाले मोरेन और बोल्डर्स आदि का तत्काल विश्लेषण करते हुए, उनसे सम्भावित खतरे का आंकलन के लिए मॉड्यूल तैयार किए जाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने इसके लिए इससे सम्बन्धित सभी वैज्ञानिक संगठनों को शामिल कर टीम तैयार किए जाने के भी निर्देश दिए हैं। इस अवसर पर सचिव शैलेश बगोली, डॉ. पंकज कुमार पाण्डेय, आयुक्त कुमाऊं दीपक रावत, आयुक्त गढ़वाल विनय शंकर पाण्डेय, सचिव डॉ. सुरेन्द्र नारायण पाण्डेय, विनोद कुमार सुमन, युगल किशोर पंत, अपर सचिव डॉ. अहमद इकबाल, आनन्द स्वरूप, आशीष चौहान एवं हिमांशु खुराना सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

# लंबित अपराधिक वादों के त्वरित निस्तारण में लाई जाए तेजी: डीएम

**देहरादून ।** जिलाधिकारी सविन बंसल ने बुधवार को सत्र और अपर सत्र न्यायालयों में विचाराधीन वादों की प्रगति समीक्षा की। उन्होंने शासकीय अधिवक्ता को निर्देशित किया कि जिन कारणों से वाद न्यायालयों में लंबित है, इसका स्पष्ट उल्लेख करें और उनके समाधान के लिए त्वरित कार्रवाई की जाए। ताकि लंबित आपराधिक वादों का जल्द से जल्द निस्तारण हो सके।

न्यायालयों में लंबित मामलों की स्थिति, गवाहों की उपलब्धता और न्यायालयों में की जा रही पैरवी की गहन समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने शासकीय अधिवक्ताओं को निर्देश दिए कि वे हर मामले में न्यायालय को समय से साक्ष्य प्रस्तुत करें। गवाहों की उपस्थिति सुनिश्चित करें। आपराधिक मामलों पर विशेष ध्यान दें और पूरे साक्ष्य, गवाहों और जिम्मेदारी के साथ मामलों की पैरवी की जाए। जिन आपराधिक मामलों में अभी तक चार्जशीट दाखिल नही की गई, उस पर त्वरित कार्रवाई करें। जिलाधिकारी ने कहा कि कानून व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए दोषियों को समय पर सजा दिलाना जरूरी है। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि जिन कारणों से आपराधिक वाद न्यायालयों में लंबित चल रहे है, उन कारणों का स्पष्ट उल्लेख करें, ताकि उनका तेजी से निराकरण किया जा सके। इस दौरान जिलाधिकारी ने न्यायालयों में कुल लंबित वाद, गतिमान वाद, प्रत्येक वाद की अद्यावधिक स्थिति, लंबित होने के कारण और उसके समाधान को लेकर विस्तार से समीक्षा की।

जिलाधिकारी ने कहा कि न्यायालयों में विचाराधीन व लंबित वादों की प्रगति को लेकर प्रत्येक माह समीक्षा बैठक की जाएगी।

संयुक्त निदेशक विधि एवं जिला शासकीय अधिवक्ता ने बताया कि जनपद देहरादून के बड्स न्यायालय के अंतर्गत जेल में निरुद्ध विचाराधीन बंदियों के संबंध में 5, गैंगस्टर न्यायालय के अंतर्गत 7, सत्र न्यायालय के अंतर्गत 28, पंचम अपर जिला एवं सत्र न्यायालय के अंतर्गत 38, एफटीएससी के 41, एनडीपीसी एक्ट के 19, पॉक्सो के 81, अपर सत्र न्यायालय विकासनगर के 18, ऋषिकेश के 11 मामले विचाराधीन है। इन मामलों में सुनवाई विचाराधीन व गतिमान है। बैठक में अपर जिला मजिस्ट्रेट (प्रशा) जय भारत सिंह, एसडीएम अपूर्वा सिंह, संयुक्त निदेशक विधि गिरीश चंद्र पंचोली, जिला शासकीय अधिवक्ता (फौजदारी) जीपी रतूडी आदि उपस्थित थे।

# 117 योग प्रशिक्षितों की शीघ्र होगी तैनाती: डॉ. धन सिंह रावत

**देहरादून ।** प्रदेश के राजकीय महाविद्यालयों में 117 अस्थाई योग प्रशिक्षितों को शीघ्र तैनाती दी जायेगी। उच्च शिक्षा विभाग ने उक्त पदों पर भर्ती प्रक्रिया शुरू कर आवेदित अभ्यर्थियों के साक्षात्कार हेतु समय सारणी जारी कर दी है। जिसके तहत आगामी 28, 29 एवं **30** अगस्त को दून विश्वविद्यालय परिसर में अभ्यर्थियों के साक्षात्कार आयोजित किये जायेंगे। इसके उपरांत श्रेष्ठता सूची के अनुरूप अभ्यर्थियों को विभिन्न महाविद्यालयों में आउटसोर्स के माध्यम से नियुक्ति दी जायेगी।

सूबे के उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने बताया कि उच्च शिक्षण संस्थानों में छात्र-छात्राओं को शिक्षा के साथ-साथ योग में भी प्रशिक्षित किया जायेगा। इसके लिये शीघ्र ही 117 अस्थाई योग प्रशिक्षितों की तैनाती राजकीय महाविद्यालयों में की जायेगी। डॉ. रावत ने बताया कि उच्च शिक्षा विभाग ने उक्त पदों पर नियुक्ति को कौशल विकास एवं सेवायोजन विभाग के 'रोजागर प्रयाग पोर्टल' पर अभ्यर्थियों से आवेदन मांगे थे, जिसके क्रम में विभाग ने साक्षात्कार कमेटी गठित कर आवेदित अभ्यर्थियों के साक्षात्कार हेतु कार्यक्रम जारी कर दिया है। जिसके तहत आगामी 28, 29 व **30** अगस्त को दून विश्वविद्यालय परिसर में अभ्यर्थियों के इंटरव्यू लिये जायेंगे। विभागीय मंत्री ने बताया कि रोजगार प्रयाग पोर्टल पर उक्त पदों के लिये **640** अभ्यर्थियों ने आवेदन किया था, जिसमें से **460** लोगों ने ही अपने शैक्षणिक एवं कार्यानुभव प्रमाण पत्र पोर्टल पर अपलोड़ किये थे। प्रत्येक साक्षात्कार दिवस पर चार पालियों में **50-50** आवेदित योग प्रशिक्षकों का इंटरव्यू लिया जायेगा, जबकि 30 अगस्त को उन अभ्यर्थियों को भी साक्षात्कार में शामिल किया जायेगा जो किसी कारणवश नियत तिथि पर साक्षात्कार देने से रह गये। इसके उपरांत अभ्यथियों की विभागीय रोस्टर के अनुसार वरियता सूची तैयार की जायेगी और चयनित अभ्यर्थियों को उनके द्वारा भरे गये विकल्पों के आधार पर आउटसोर्स के माध्यम से विभिन्न महाविद्यालयों में तैनाती दी जायेगी। डॉ. रावत ने कहा कि विभागीय अधिकारियों को पूरी पारदर्शिता के साथ साक्षात्कार आयोजित करने के निर्देश दिये गये हैं ताकि योग्य युवाओं को मौका मिल सके।

# भाजपा को धन बल नही, विश्वास और विकास के प्रति समर्पण से मिली जीत : भट्ट

**देहरादून ।** भाजपा ने कांग्रेस प्रदेश प्रभारी के बयान पर तंज कसते हुए कहा कि जनता ने भाजपा को 11 जिप अध्यक्ष की सीटें देकर बदलाव की मंशा जाहिर कर दी है। जनता ने धन बल नही, बल्कि विश्वास और सरकार के विकास के प्रति समर्पण को देखकर मत दिया है। उन्होंने कहा कि

प्रदेशाध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद श्री महेंद्र भट्ट ने कांग्रेस के स्थानीय नेताओं पर तंज कसा कि बेहतर होता कि प्रभारी के कान में नैनीताल के बजाय आपदा पीड़ितों के लिए दो शब्द बेहद कहने का आग्रह भी कर देते। मीडिया द्वारा पूछे गए सवालों के जवाब में उन्होंने कहा कि कांग्रेसियों की डेढ़ वर्ष की मिन्नत के बाद उनकी प्रभारी ने प्रदेश के लिए सिर्फ राजनीति के लिए ही समय निकाला राज्य आपदा का साहस और एकजुटता से सामना कर रहा है। दो शब्द सहानुभूति के वे भी कहती तो अच्छा होता। कम से कम जो लोग मीडिया से बातचीत के समय उनके कान में नैनीताल का जिक्र कर रहे थे, वही धराली, थराली की पीड़ा उन्हें सुना देते। बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है कि आपदा में जान गंवाने वाले और घायलों, प्रभावितों को लेकर चिंता तक जाहिर करना उन्होंने जरूरी नहीं समझा। लगता है उनकी बैठक सिर्फ और सिर्फ संगठन में पदों की रस्सा कस्सी और एकदूसरे की शिकायतें तक सीमित रही। उन्होंने कांग्रेस प्रभारी के पंचायत चुनावों में बदलाव वाले बयान पर कहा कि जो बामुश्किल 12 में से 1 जिला पंचायत अध्यक्ष सीट जीत पाए हों, उन्हें जनता की भावना को समझना चाहिए। जनता ने बदलाव के संकेत तो हमेशा दिए हैं। प्रदेश में भाजपा सरकार रिपीट कर, केंद्र में मोदी सरकार की हैट्रिक लगाकर और निकाय, पंचायतों में भी हमे जिताकर। ये संकेत हर बार सरकार बदलने की परिपाटी को काम के आधार पर बदलने का था। जिसे वे भाजपा की शरारत बता रही थी, उसके असल अपराधी कानून के रिकॉर्ड में दर्ज हुए हैं। लिहाजा हमारी शरारत ने नहीं, बल्कि जनता ने उन्हें गांवों से साफ किया है। बेहतर हैं कि वे इस हकीक़त को जल्द स्वीकार करें और अपने स्थानीय नेताओं को नकारत्मक राजनीति त्यागने का सुझाव दें। अन्यथा जनता का आशीर्वाद तो भाजपा को मिलता ही रहेगा और प्रदेश का विकास भी जारी रहेगा, लेकिन कांग्रेस कभी पुनर्जीवित नहीं हो पाएगी।

# ताकि किश्तवाड़ और धराली जैसी आपदाओं से बचा जा सके !

सुनील कुमार महला

दिन-ब-दिन प्रकृति मानव को अपना रौद्र रूप दिखा रही है। भूस्खलन हो, भू-धंसाव हो, बाढ़ हो(अतिवृष्टि), बादल फटना हो, अनावृष्टि हो(सूखा), भूकंप हो या सुनामी सब कहीं न कहीं, कोई माने या नहीं मानें, प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष रूप से मानवीय गतिविधियों से ही जुड़े हैं। कहना ग़लत नहीं होगा कि बादल फटने की घटनाएँ अब केवल प्राकृतिक आपदाएँ भर नहीं रहीं, बल्कि इनमें मानवीय लापरवाहियों और अवैज्ञानिक विकास कार्यों की भी बड़ी भूमिका है।सच तो यह है कि ऐसी घटनाएं मानव जनित संकट हैं। आज के समय में जलवायु परिवर्तन से अत्यधिक वर्षा की घटनाएँ बढ़ी हैं। पहाड़ी ढलानों पर अचानक अत्यधिक पानी गिरने से वहां की मिट्टी ढीली हो जाती है और लैंडस्लाइड, फ्लैश फ्लड का खतरा बढ़ जाता है। मानवीय गतिविधियों या कारणों की बात करें, तो कहना ग़लत नहीं होगा कि आज के समय में अनियंत्रित निर्माण कार्य प्राकृतिक आपदाएं जन्म ले रहीं हैं। आज नदियों और ढलानों पर घर, होटल, सड़कें बनाने से जलधाराओं के प्राकृतिक मार्ग मानव ने बाधित कर दिए हैं। सच तो यह है कि मानव हद से ज्यादा स्वार्थी और लालची होता चला जा रहा है।वृक्षों की अंधाधुंध कटाई की जा रही है और जंगलों के घटने से पानी रोकने की क्षमता खत्म हो गई है। पर्यटन का दबाव भी है। हर साल लाखों की संख्या में आने वाले तीर्थयात्री और पर्यटक स्थानीय पारिस्थितिकी पर बोझ( वायु प्रदूषण, मिट्टी प्रदूषण, जल प्रदूषण, प्लास्टिक प्रदूषण) डालते हैं। यह बहुत ही दुखद है कि आज संवेदनशील क्षेत्रों में आपदा प्रबंधन की ईमानदारी और पूर्ण इच्छाशक्ति के पूर्व तैयारियां नहीं की से हुई तबाही से लोग अभी उबरे भी नहीं थे कि जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ जिले के चशोती-पडुर( नियंत्रण रेखा के पास स्थित गांव) में भी ठीक वैसा ही हादसा हो गया। बादल फटने से आई बाढ़ ने तबाही मचा दी। अचानक आए सैलाब में साठ से ज्यादा लोगों की जान चली गई, और सैकड़ों लोग लापता हो गए। जानकारी के अनुसार यह बादल चशोती में फटा, जो मचैल माता मंदिर के मार्ग पर स्थित है। यह आखिरी गांव है, जहां किसी गाड़ी से पहुंचा जा सकता है। खबरों में आया है कि हादसे के समय मचैल माता की यात्रा चल रही थी, जिसकी वजह से रूट पर हजारों श्रद्धालु मौजूद थे। घटना के बाद मंदिर की वार्षिक यात्रा को स्थगित कर दिया गया और रेस्क्यू अभियान चलाए गए। वास्तव में उत्तरकाशी और किश्तवाड़ में हुई प्राकृतिक आपदाएं मानव के लिए एक बड़ा सबक है।चशोती गांव गांव पडुर घाटी में पड़ता है और यहां अठारह सौ से लेकर करीब चार हजार मीटर तक ऊंचे पहाड़ हैं। जब भी यहां बारिश होती है तो पानी पहाड़ों से होते हुए बहुत ही तीव्र गति से नीचे आता है। स्थानीय प्रशासन को इस बात की जानकारी भी है, लेकिन बावजूद इसके जिला प्रशासन द्वारा आपदा बचाव की तैयारियां नहीं की गईं ,यह वास्तव में बहुत ही दुखद है। इन दिनों पूरे भारत में जोरदार बारिश हो रही है। आपदा प्रबंधन विभाग व प्रशासन को बारिश व किसी भी आपदा के लिए पूर्व में ही माकूल इंतजाम करने चाहिए और सदैव तैयार रहना चाहिए। हालांकि, यह भी नहीं है कि आपदा प्रबंधन विभाग, स्थानीय प्रशासन और सरकारें आपदाओं को रोकने के लिए कोई कदम नहीं उठातीं हैं, लेकिन समय रहते यदि पूर्ण ईमानदारी, कर्तव्यनिष्ठा, सजगता और सतर्कता बरतकर निर्णय जातीं। अक्सर यह देखा गया है कि विभिन्न तीर्थयात्राओं व मेलों के दौरान भीड़ नियंत्रित करने और सुरक्षित मार्ग बनाने की अनदेखी होती है। आज सड़कें, घर और होटल और विभिन्न निर्माण कार्य बिना भू-वैज्ञानिक अध्ययन किए ही निर्माण कर लिए जाते हैं। प्राकृतिक संसाधनों का अतिक्रमण किया जाता है। ग्रीन टूरिज्म की ओर हमारा ध्यान कम ही होता है और इसका परिणाम हमें भुगतना पड़ता है। हाल ही में हमने देखा कि उत्तरकाशी के धराली में जान-माल को बहुत क्षति पहुंची। हमने देखा कि धराली में बीते पांच अगस्त को खीरगंगा से आई बाढ़ ने मिनटों में बाज़ार, होटल और घर बहा दिए।कई लोग असमय काल के ग्रास बन गए।आंकड़े बताते हैं कि (विभिन्न सरकारी एजेंसियों के प्रारंभिक अनुमान के मुताबिक) धराली क्षेत्र में 500 करोड़ रुपए से अधिक का नुकसान हुआ है। धराली में बादल फटने ले लिए जाएं तो बहुत हद तक जान-माल का नुक़सान कम तो किया ही जा सकता है लेकिन सभी तभी चेतते हैं,जब ऐसे हादसे घटित हो जाते हैं,यह बहुत ही दुखद है। गौरतलब है कि साढ़े नौ हजार फुट ऊंचाई पर स्थित मचैल माता मंदिर जाने के लिए हर वर्ष बड़ी संख्या में लोग आते हैं। यहां यक्ष प्रश्न यह उठता है कि स्थानीय प्रशासन ने यहां लंगर और दुकानें लगाने की अनुमति आखिर क्यों दी, यह जानते हुए भी कि जम्मू-कश्मीर में बादल फटने की घटनाएं हर वर्ष बढ़ रही हैं।इधर, हिमाचल प्रदेश में आफत की बारिश थम नहीं रही है। राज्य के कुल्लू जिले में दो अलग-अलग जगह से बादल फटने की खबरें आई हैं। जानकारी के अनुसार कुल्लू के बंजार और आनी निरमंड सब डिवीजन के ऊंचे पहाड़ी क्षेत्रों में ये घटनाएं हुई हैं।बादल फटने से तीर्थन घाटी और आसपास के कई निचले ग्रामीण इलाकों में पानी और मलबा भर गया। हालांकि, प्रशासन ने सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए कई गांवों को खाली करा लिया, लेकिन पहाड़ी इलाकों विशेषकर उत्तराखंड, हिमाचल और जम्मू-कश्मीर में इस तरह की घटनाओं से अब सजग होने और इससे निपटने की जरूरत है।यह बात ठीक है कि कुदरत के कहर जैसे कि बाढ़, भूकंप, बादल फटना, भूस्खलन, जंगल की आग, सूखा आदि को पूरी तरह रोका नहीं जा सकता, लेकिन इंसान सतर्कता, तैयारी और सही जीवनशैली से इसका असर ज़रूर कम कर सकता है। वास्तव में कुदरत अगर अपना क्रोध प्रकट कर रही है, तो इसे समझने और चेतने का समय है। हमें यह बात अपने जेहन में रखनी चाहिए कि कुदरत के कहर से बचना केवल सरकार की नहीं, हर नागरिक की जिम्मेदारी है। अगर हम पर्यावरण का सम्मान करें और सावधानी और सतर्कता अपनाएँ, तो बड़े हादसों को काफी हद तक टाला जा सकता है।

# राजनीतिक आजादी छीनना बहुत आसान

**अजीत द्विवेदी**

लोकतंत्र और आजादी सुनिश्चित करने के तमाम आधुनिक उपकरणों, जैसे संविधान आधारित शासन व्यवस्था, न्यायपालिका, मीडिया, तकनीक, नागरिक समाज आदि ने सचमुच लोकतंत्र और आजादी की रक्षा की है या इनके उत्तरोत्तर क्षरण का रास्ता बनाया है? यह एक जटिल सवाल है। एक समय 18वीं सदी के मध्य में महान दार्शनिक ज्यां जॉक रूसो के सामने सवाल था कि आधुनिक विज्ञान और कलाओं ने मनुष्य को बेहतर बनाया है या नैतिक रूप से भ्रष्ट बनाया है? रूसो का जवाब था कि आधुनिक कला और विज्ञान ने मनुष्य को नैतिक रूप से भ्रष्ट बनाया है। रूसो के निष्कर्ष के पौने तीन सौ साल और भारत की आजादी के 78 साल बाद कम से कम भारत के संदर्भ में कहा जा सकता है कि तमाम आधुनिक उपकरणों ने लोकतंत्र और आजादी को सीमित किया है या सीमित करने का प्रयास किया है।

दुर्भाग्य की बात यह है कि देश के नागरिक भी किसी सामाजिक, धार्मिक, सांस्कृतिक या राजनीतिक दबाव में आजादी को सीमित करने के प्रयासों का समर्थन कर रहे हैं या उसमें सक्रिय भागीदारी निभा रहे हैं। एक तरफ सरकारें वाक व अभिव्यक्ति की आजादी को नियंत्रित करने के नए कानून ला रही हैं और संप्रेषण के नए माध्यमों को भी सत्ता तंत्र की मदद से नियंत्रित किया जा रहा है तो दूसरी ओर नागरिक समाज स्वेच्छा से अपनी आजादी गंवाने की प्रक्रिया में शामिल हो रहा है। अगर नागरिक समाज अपने अधिकारों और अपनी आजादी के प्रति सजग रहे तो वह सरकारी दमन का सफल प्रतिरोध कर सकता है। लेकिन मुश्किल यह है कि नागरिक समाज ही अपनी आजादी गंवाने में प्रत्यक्ष या परोक्ष योगदान कर रहा है।

असल में भारत में आजादी को सिर्फ एक राजनीतिक अवधारणा बना दिया गया है। जब आजादी की बात होती है तो घूम फिर कर बात इस पर आ जाती है कि आपको सत्ता प्रतिष्ठान या शीर्ष पर बैठे राजनेता की आलोचना का अधिकार है या नहीं? यानी राजनीतिक बयान देने का अधिकार है या नहीं? माना जाता है कि अगर आपको राजनीतिक बयान देने का अधिकार है तो इसका मतलब है कि आप आजाद हैं। लेकिन ऐसा नहीं होता है। आजादी किसी राजनीतिक प्रतिष्ठान या किसी संविधान ने नहीं दी है या वह राजनीतिक बयानों तक सीमित नहीं है।

मनुष्य आजाद पैदा होता है और उसके मौलिक अधिकार, जिसमें खाने पीने की आजादी, पहनावे की आजादी, अपने मूल्यों के साथ जीवन जीने की आजादी आदि शामिल हैं, उसको स्वाभाविक रूप से मिलते हैं। लेकिन आजादी के 78 साल बाद यह स्थिति है कि कहीं खान पान की आजादी को नियंत्रित किया जा रहा है, कहीं पहनावे पर पाबंदी लगाई जा रही है, कहीं भाषा बोली को नियंत्रित किया जा रहा तो कहीं शादी की उम्र और पसंद को लेकर लोगों को कठघरे में खड़ा किया जा रहा है। इस बुनियादी बात को ही भुला दिया गया है कि अभिव्यक्ति की आजादी का मतलब सिर्फ बोलने की आजादी नहीं है, बल्कि अपनी पसंद का जीवन जीने की आजादी है।

यह ध्यान रखने की जरुरत है कि नागरिकों की मौन या मुखर सहमति और नागरिक समाज की भागीदारी के बगैर लोकतंत्र और आजादी पर पहरा नहीं बैठाया जा सकता है और न उसे सीमित किया जा सकता है। इंदिरा गांधी के प्रयास को इस देश के नागरिकों ने असफल बनाया था। मगर आज स्थितियां बदल गई हैं। अगर आज महाराष्ट्र में वहां की सरकार स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर मांस की बिक्री पर पाबंदी लगा रही है तो यह एक बड़े नागरिक समूह की सहमति के बगैर संभव नहीं है। पहली नजर में ऐसा लगेगा कि यह कितनी छोटी बात है! यह तर्क भी दिया जा रहा है कि अगर एक दिन मांसाहार नहीं करेंगे तो क्या आफत आ जाएगी! लेकिन यह छोटी बात नहीं है और न एक दिन की बात है। धार्मिक त्योहारों के सम्मान में नागरिक समाज की ओर से इसकी शुरुआत हुई थी। कहा गया कि जैन समुदाय के पर्यूषण पर्व के मौके पर महाराष्ट्र और देश के अन्य हिस्सों में मांस, मछली की दुकानें बंद रहेंगी। फिर कहा गया कि नवरात्रों में दिल्ली और देश के अन्य हिस्सों में मांस, मछली की दुकानें बंद रहेंगी।

इसके बाद कहा गया कि कांवड़ यात्रा के समय कांवड़ के पूरे रास्ते में मांसाहार की दुकानें बंद रहेंगी। और अब कहा जा रहा है कि स्वतंत्रता दिवस के दिन भी लोगों को मांसाहार की आजादी नहीं होगी। नागरिक समाज या एक धार्मिक समूह की ओर से किसी खास त्योहार के मौके पर पाबंदी लगाने की जो शुरुआत हुई थी वह सांस्थायिक होती जा रही है। सरकार अब कानून बना कर या आदेश पारित करके लोगों की फूड च्वाइस को नियंत्रित करना चाहती है। इसको छोटी बात नहीं माना जा सकता है। क्योंकि यह संयोग नहीं, बल्कि प्रयोग का हिस्सा है। एक बड़ा समूह इस पर चुप है, लेकिन इस चुप्पी में उसकी रक्षा नहीं है। आगे उसकी भी बारी आएगी।

इसी तरह एक कथित संत अनिरुद्धाचार्य ने लड़कियों को लेकर एक बेहद आपत्तिजनक बयान दिया। उन्होंने 25 साल की उम्र से पहले शादी की सलाह देते हुए कहा कि %25 साल की लड़की चार जगह मुंह मार चुकी होगी तो वह किसी रिश्ते को कैसे निभाएगी'। इस पर विवाद हुआ तो एक स्टैंडर्ड सफाई आई कि उनकी बातों को काट छांट कर प्रस्तुत किया गया।

# घरवाली पेड़वाली पर बोलीं प्रियंवदा कांत- टीवी पर कम दिखते हैं सुपरनैचुरल कॉमेडी शो

अभिनेत्री प्रियंवदा कांत जल्द ही एण्ड टीवी के नए धारावाहिक 'घरवाली पेड़वाली' में लतिका की भूमिका में नजर आएंगी। इस शो में वह पेड़वाली- यानी एक आत्मा की भूमिका निभा रही हैं। अभिनेत्री ने बताया कि टीवी पर सुपरनैचुरल कॉमेडी वाले शो बहुत कम हैं।

प्रियंवदा ने बताया कि भारतीय टेलीविजन पर सुपरनैचुरल कॉमेडी बहुत कम देखने को मिलती है और यही वजह है कि यह शो उनके लिए खास है।

%घरवाली पेड़वाली' की कहानी लतिका नामक एक आत्मा के इर्द-गिर्द घूमती है, जो अचानक जीवित लोगों की दुनिया में लौट आती है। वह मुख्य पात्र जीतू शर्मा की पत्नी के रूप में सामने आती है। प्रियंवदा ने अपनी भूमिका के बारे में कहा, लतिका सिर्फ एक किरदार नहीं, बल्कि इस कहानी का भावनात्मक और कथानक का केंद्र है। उसका किरदार कहानी को आगे बढ़ाता है। इस अनोखे और फ्रेश थीम वाले शो का हिस्सा बनकर मैं उत्साहित हूं।

प्रियंवदा ने बताया कि लतिका का किरदार जीवंत, कॉमेडी और चुलबुला है, जिसे निभाना उनके लिए बेहद मजेदार है। उन्होंने कहा, मुझे हमेशा से हास्य किरदार निभाना पसंद है और यह मेरा मजबूत पक्ष है। लतिका की मजाकिया नेचर से मैं खुद को जोड़ पाती हूं, क्योंकि मुझे वास्तविक जीवन में भी मजाक करना पसंद है। इस शो में हास्य, भावनाओं, छोटे शहर के आकर्षण और देसी अंदाज का शानदार मिश्रण है।

इस महीने की शुरुआत में घोषणा हुई थी कि अभिनेता पारस अरोड़ा इस शो में जीतू की भूमिका निभाएंगे। जीतू एक साधारण व्यक्ति है, जिसका जीवन असामान्य परिस्थितियों में उलझ जाता है। उसे दो माताओं और दो पिताओं ने पाला है, वह दो बॉस के अधीन काम करता है और अब एक अजीब मोड़ के कारण उसकी दो पत्नियां हैं।

पारस ने कहा, जीतू का किरदार मुझे अपनी सादगी, हास्य और भावनात्मक गहराई के कारण पसंद आया। आजकल कॉमेडी शो कम ही बनते हैं और यह शो दर्शकों को खुशी देने का मौका देता है। उत्तर प्रदेश की सांस्कृतिक पृष्ठभूमि इसकी प्रामाणिकता को और बढ़ाती है।

%घरवाली पेड़वाली' जल्द ही एण्ड टीवी पर प्रसारित होगा।

# दृश्यम 3 पर आया खास अपडेट, तब्बू और अक्षय खन्ना फिर खाकी वर्दी में दिखाएंगे दम

अजय देवगन को पिछली बार फिल्म रेड 2 में देखा गया था, जो बॉक्स ऑफिस पर हिट रही थी। आने वाले दिनों में वह एक से बढ़कर एक फिल्मों में नजर आएंगे। उनकी बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक दृश्यम 3 भी है। अजय तो पहले ही फिल्म के तीसरे भाग पर अपनी मोहर लगा चुके हैं और पिछले कुछ समय से वह इसी फिल्म की तैयारी में लगे हुए हैं। अब इससे जुड़ीं कुछ नई जानकारियां बाहर आई हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक, दृश्यम और दृश्यम 2 की जबरदस्त सफलता के बाद अब एक बार फिर खाकी वर्दी में अपना दमखम दिखाएंगे। निर्माता-निर्देशक अभिषेक पाठक ने हाल ही में अक्षय खन्ना और तब्बू से मुलाकात की और उनके साथ दृश्यम 3 पर चर्चा की। दोनों कलाकार फिल्म की पटकथा की से इतने प्रभावित हुए कि उन्होंने इसके लिए हामी भरने में देर नहीं लगाई। जल्द ही अक्षय और तब्बू ये फिल्म भी साइन कर लेंगे। सूत्र ने बताया कि काफी हद तक संभव है कि दृश्यम 3 इस फ्रेंचाइजी की आखिरी फिल्म होगी। इसकी रिलीज के साथ ही इस क्राइम थ्रिलर फिल्म सीरीज का सफर खत्म हो जाएगा। यह अजय, तब्बू और अक्षय इन तीनों कलाकारों के किरदारों के इर्द-गिर्द घूमेगी। फिल्म की कहानी वहीं से शुरू होगी, जहां दूसरा भाग खत्म हुआ था। ऐसे में पूरी उम्मीद है कि अभिनेत्री श्रिया सरन भी दृश्यम की दुनिया में वापसी करेंगी।

साल 2022 में अजय दृश्यम 2 लेकर आए थे, जो उनके करियर की सबसे कमाऊ फिल्मों में से एक बनी। 50 करोड़ रुपये इस फिल्म का बजट था और इसने 300 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार किया था। इससे पहले साल 2015 में आई उनकी फिल्म दृश्यम ने भी बढ़िया कमाई की थी। दृश्यम का निर्देशन जहां निशिकांत कामत ने किया था, वहीं दूसरे भाग के निर्देशन की जिम्मेदारी अभिषेक पाठक पर थी, जो तीसरे भाग के निर्देशक भी हैं।

अक्षय को पिछली बार फिल्म छावा में देखा गया था, जिसमें उन्होंने औरंगजेब का किरदार निभाया था। फिल्म में अक्षय के अभिनय को दर्शकों से खूब सराहना मिली। अब वह फिल्म धुरंधर में नजर आएंगे, जिसमें रणवीर सिंह मुख्य भूमिका में हैं। दूसरी ओर तब्बू पिछली बार हाउसफुल 5 में कैमियो करती दिखी थीं। अब उन्हें अक्षय कुमार और परेश रावल के साथ हॉरर कॉमेडी फिल्म भूत बंगला में देखा जाएगा।

## मालविका मोहनन को जन्मदिन का तोहफा, मेकर्स ने रिलीज किया द राजासाब से उनका फर्स्ट लुक

अभिनेता प्रभास काफी समय से फिल्म द राजा साब को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। उनकी इस फिल्म के निर्देशन की कमान साउथ के जाने-माने निर्देशक मारुथि ने संभाली है। इस फिल्म में प्रभास के साथ अभिनेत्री मालविका मोहनन नजर आएंगी.

मालविका के जन्मदिन पर उनके प्रशंसकों को बड़ा तोहफा मिला है। दरअसल, फिल्म द राजा साब से मालविका की पहली झलक सामने आ गई है। सामने आए पोस्टर में मालविका सफेद संग की साड़ी पहने नजर आ रही हैं, जिसमें वह बेहद खूबसूरत लग रही हैं। इस फिल्म में प्रभास और मालविका के अलावा निधि अग्रवाल, संजय दत्त और रिद्धि कुमार जैसे कलाकार भी नजर आएंगे। द राजा साब पहले इस साल 10 अप्रैल को रिलीज होने वाली थी, लेकिन बाद में इसे 5 दिसंबर, 2025 के लिए टाल दिया गया। अब कहा जा रहा है कि यह फिल्म 9 जनवरी, 2026 को रिलीज होगी। मालविका एक भारतीय अभिनेत्री हैं, जो मुख्य रूप से तमिल और मलयालम फिल्मों में काम करती हैं। मालविका ने अपने अभिनय करियर की शुरुआत साल 2013 में आई मलयालम फिल्म पट्टम पोल के जरिए की थी। उन्होंने निर्णयम, नानु मट्टू वरलक्ष्मी, थंगालान, मारन, क्रिस्टी और मास्टर जैसी फिल्मों में भी काम किया है। मालविका ने बियॉन्ड द क्लाउड्स के जरिए बॉलीवुड में कदम रखा था, जिसमें उनकी जोड़ी ईशान खट्टर के साथ बनी थी। यह फिल्म 20 अप्रैल, 2018 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी, लेकिन बॉक्स ऑफिस पर यह कुछ खास कमाल नहीं दिखा सकी। मालविका फिल्म युद्धरा में भी काम कर चुकी हैं, जिसके हीरो सिद्धांत चतुर्वेदी हैं। हालांकि, यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर मुंह के बल गिरी। यह फिल्म अमेजन प्राइम वीडियो पर उपलब्ध है।

## हर दिल में गूंजेगी क्रांति की पुकार, भुवन बाम स्टारर द रिवोल्यूशनरीज का फर्स्ट लुक जारी

एक बार फिर आजादी की क्रांति की कहानी देखने को मिलेगी। क्योंकि प्राइम वीडियो ने अपने नए प्रोजेक्ट का एलान कर दिया है। द रिवोल्यूशनरीज' की पहली झलक आज सामने आई है। जिससे पता चलता है कि ओटीटी प्लेटफॉर्म इस बार एक नई कहानी लेकर आ रहा है। द रिवोल्यूशनरीज' संजीव सान्याल की किताब रिवोल्यूशनरीज-द अदर स्टोरी ऑफ हाउ इंडिया वन इट्स फ्रीडम'' पर आधारित है। इस सीरीज की कहानी उन बहादुर युवा भारतीय क्रांतिकारियों की है जो ब्रिटिश राज को खत्म करने के लिए सशस्त्र संघर्ष को जरूरी मानते थे। द रेवोल्यूशनरी उनके जीवन, बलिदान और देश के प्रति उनके समर्पण को दिखाती है। सीरीज देश के अलग-अलग हिस्सों जैसे मुंबई, अमृतसर, वाराणसी, देहरादून और अन्य शहरों में शूट की जा रही है। द रेवोल्यूशनरी अगले साल 2026 में रिलीज की जाएगी। निखिल आडवाणी द्वारा निर्देशित इस सीरीज में भुवन बाम, रोहित सराफ, प्रतिभा रांटा, गुरफतेह पीराजादा और जेसन शाह प्रमुख भूमिकाओं में नजर आ रहे हैं। सीरीज में भुवन बाम, रोहित सराफ और प्रतिभा रांटा एक अलग अंदाज में दिखाई दे रहे हैं, जो उनके फैंस को उत्साहित कर रहा है। ये तीनों ही कलाकारों ने इससे पहले इस तरह की भूमिका नहीं निभाई है। रोहित सराफ जहां मिसमैच' में एक लवर बॉय के किरदार में काफी मशहूर हैं।

## बिंदिया के बाहुबली का ट्रेलर रिलीज, सौरभ शुक्ला-रणवीर शौरी बने गैंगस्टर कॉमेडी का हिस्सा

सौरभ शुक्ला और रणवीर शौरी कई कॉमेडी फिल्मों में रंग जमा चुके हैं, साथ ही क्राइम स्टोरीज वाली फिल्मों का भी हिस्सा रहे हैं। अब ये दोनों एक्टर्स एक डॉर्क गैंगस्टर कॉमेडी में साथ नजर आएंगे। इनकी जल्द रिलीज होने वाली सीरीज %बिंदिया के बाहुबली' का ट्रेलर भी सामने आ चुका है। सीरीज %बिंदिया के बाहुबली' का ट्रेलर रिलीज किया गया। ट्रेलर में एक दावन परिवार है, जो बिंदिया नाम की एक जगह के बाहुबली हैं। सीरीज में दावन परिवार के मुखिया यानी बड़ा दावन जब अपना पॉलिटिकल करियर शुरू करना चाहता है तो पुलिस उसे गिफ्तार कर लेती है। अब परिवार बड़े दावन को कैसे जेल से निकालेंगे? इसी पूरे प्लानिंग में कई उल्टी-सीधी घटनाएं होती हैं, जो कॉमेडी का तड़का सीरीज में लगाती हैं। अपने किरदार बड़ा दावन के बारे में बात करते हुए सौरभ शुक्ला कहते हैं, %यह सीरीज एक ऐसे परिवार की कहानी कहती है, जो सत्ता की चाहत रखता है। मेरा किरदार बड़ा दावन एक तरफ अपने ही रिश्तेदारों से डरता है।

# फूलों से रंगोली बनाने से पहले इन 5 बातों का रखें ध्यान, बनेगी सुंदर

त्योहारों के दौरान लोग अपने घर के आंगन, बरामदे और बाहर की तरफ रंगोली बनाना पसंद करते हैं। हालांकि, अगर आप फूलों से रंगोली बनाना चाहते हैं तो इसके लिए आपको कुछ बातों का ध्यान रखना होगा। फूलों से रंगोली बनाते समय थोड़ी सावधानी बरतना जरूरी है ताकि रंगोली सुंदर दिखे। आइए आज हम आपको फूलों से रंगोली बनाने से संबंधित कुछ महत्वपूर्ण बातें बताते हैं, जिनका ध्यान रखना आपके लिए फायदेमंद हो सकता है।

**अलग-अलग रंग के फूलों का करें चयन**

फूलों से रंगोली बनाने से पहले अलग-अलग रंग के फूलों का चुनाव करना जरूरी है। इसके लिए आप अपने पसंदीदा फूलों को ध्यान में रखते हुए उनकी व्यवस्था करें। उदाहरण के लिए अगर आप गुलाब के फूलों का उपयोग करना चाहते हैं तो लाल, पीला और सफेद गुलाब के फूलों का इस्तेमाल करें। इसके अलावा अगर आप गेंदे के फूलों से रंगोली बनाना चाहते हैं तो पीले और नारंगी रंग के फूलों से रंगोली बनाएं।

**आकार का ध्यान रखें**

फूलों से रंगोली बनाते समय उसके आकार का ध्यान रखना चाहिए। आप चाहें तो फूलों की मदद से दिल, सूरज, चंद्रमा, पेड़-पौधे, पक्षी और अन्य कई आकृतियां बना सकते हैं। इसके लिए पहले जमीन पर हल्का पेंसिल से स्केच बना लें, फिर उसके ऊपर फूलों को अच्छे से रखें। इससे आपकी रंगोली एकदम साफ-सुथरी और सुंदर दिखेगी। इसके अलावा फूलों से रंगोली बनाते समय फूलों की पंखुड़ियों को इस तरह से रखें कि वे साफ-सुथरी दिखें।

**फूलों की व्यवस्था सही से करें**

फूलों से रंगोली बनाते समय फूलों की व्यवस्था इस तरह से करें कि वे एक दूसरे से जुड़े हुए और साफ-सुथरे दिखें। इसके लिए आप फूलों को धीरे-धीरे और सावधानीपूर्वक रखें ताकि वे टूटे न। इसके अलावा फूलों को इस तरह से रखें कि उनकी पंखुड़ियां एक दूसरे से जुड़ी रहें और रंगोली का पूरा डिज़ाइन साफ-सुथरा दिखे। इससे आपकी रंगोली एकदम बेहतरीन और आकर्षक दिखेगी।

**फूलों को ताजगी देने के लिए पानी का करें इस्तेमाल**

फूलों की रंगोली में ताजगी बनाए रखने के लिए पानी का इस्तेमाल करें। इसके लिए आप एक स्प्रे बोतल में पानी भरकर हल्के हाथों से स्प्रे करें या फिर एक कपड़े को पानी से भिगोकर उससे फूलों को पोछें। इससे फूल न तो मुरझाएंगे और न ही टूटेंगे। इसके अलावा आप चाहें तो फूलों की रंगोली के ऊपर हल्का-सा गुलाब जल छिड़क सकते हैं। इससे फूलों की रंगोली ताजगी बनी रहेगी।

**सफाई का रखें ध्यान**

फूलों से रंगोली बनाने के बाद सफाई का ध्यान रखना बहुत जरूरी है। अगर आपने पहले से ही सफाई की हुई जगह पर रंगोली बनाई है तो उसे हटाने में ज्यादा परेशानी नहीं होगी। इसके अलावा अगर आपकी रंगोली के आस-पास कोई गंदगी हो तो उसे साफ करें ताकि आपकी रंगोली साफ-सुथरी दिखे। इन बातों का ध्यान रखकर आप आसानी से अपने घर में खूबसूरत फूलों से रंगोली बना सकते हैं।

# मानसून में त्वचा को ह्यूमिडिटी के प्रभाव से बचाने के लिए अपनाएं ये स्किन केयर टिप्स

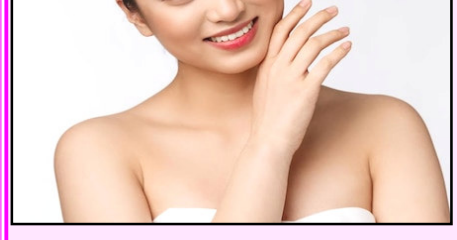

मानसून के मौसम में ह्यूमिड्टी (नमी) का स्तर भी काफी बढ़ जाता है, जिससे चेहरे का स्वास्थ्य काफी प्रभावित होता है। इससे त्वचा अधिक तैलीय, कमजोर और बेजान होने लगती है। वहीं, ह्यूमिडिटी के कारण आने वाले पसीने के कारण त्वचा पर मुंहासें जैसी कई समस्याएं होने लगती हैं। आइए आज हम आपको पांच ऐसी स्किन केयर टिप्स देते हैं, जिन्हें अपनाकर आप मानसून के दौरान अपनी त्वचा को ह्यूमिडिटी से सुरक्षित रख सकते हैं।

मौसम भले ही कोई भी हो, मॉइश्चराइजर हर किसी के स्किन केयर रूटीन में जरूर शामिल होना चाहिए क्योंकि यह त्वचा पर एक सुरक्षित परत बनाकर उसे कई तरह के नुकसानों से बचा सकता है। मानसून में ऐसे मॉइश्चराइजर का इस्तेमाल करना चाहिए, जो तेल रहित होने के साथ-साथ लाइट भी हो क्योंकि इससे त्वचा चिपचिपा नहीं लगेगा। इसके अतिरिक्त, यह आपकी त्वचा ह्यूमिडिटी से भी सुरक्षित रहेगी।

**इस तरह का फेसवॉश करें इस्तेमाल**

मानसून की समस्याओं से बचने के लिए सबसे पहले अपने गर्मियों के फेसवॉश को ग्लाइकोलिक एसिड और सैलिसिलिक एसिड युक्त फेसवॉश से स्विच करें, जो बेजान त्वचा के लिए सही है। इतना ही नहीं, अपनी स्किन टाइप के अनुसार ही फेसवॉश खरीदना सुनिश्चित करें। इसके साथ ही त्वचा को साफ और तरोताजा रखने के लिए दिन में कई बार धोएं और नियमित रूप से टोनर का इस्तेमाल करें, इससे आपकी त्वचा हाइड्रेट रहेगी।

**सनस्क्रीन का इस्तेमाल करना भी है महत्वपूर्ण**

मानसून के साथ-साथ सभी तरह के मौसम में सनस्क्रीन लगाना जरूरी है। सनस्क्रीन त्वचा को हाइड्रेट करने के साथ ही सूरज की हानिकारक यूवी किरणों से बचाकर रखने में काफी मदद कर सकती है, इसलिए रोजाना सीमित मात्रा में एक बार अपने चेहरे पर सनस्क्रीन जरूर लगाएं। अगर आप घर से बाहर हैं तो अपने चेहरे पर हर दो से तीन घंटे बाद सनस्क्रीन का इस्तेमाल करें।

**एक्सफोलिएट जरूर करें**

गंदगी, डेड स्किन सेल्स और अन्य अशुद्धियां त्वचा की कोमलता को कम करने और मुंहासों को उभारने का मुख्य कारण मानी जाती हैं, इसलिए इनसे राहत पाने के लिए मानसून के दौरान भी एक्सफोलिएट करना बहुत जरूरी है। हालांकि, आपको इस बात का भी ध्यान रखना चाहिए कि अधिक एक्सफोलिएशन आपकी त्वचा को नुकसान पहुंचा सकता है। इसलिए हफ्ते में ज्यादा से ज्यादा दो बार ही त्वचा को हल्के हाथों से एक्सफोलिएट करें।

# सेहत को होंगे ये जबरदस्त फायदे डायट में शामिल करें सलाद

आमतौर पर हम कभी खाने के साथ सलाद खाते हैं लेकिन रोजाना नहीं खा पाते। कई बार तो हफ्ते गुजर जाते हैं और हम सलाद नहीं खा पाते। लेकिन आप सलाद खाने के फायदे जान जाएंगे तो रोजाना सलाद खाएंगे।

*सलाद में एंजाइम्स होते हैं जो हाजमा ठीक करते हैं। खाने को पकाने से एंजाइम्स नष्ट हो जाते हैं क्योंकि 37 डिग्री पर कोई भी एंजाइम बच नहीं पाते। इसलिए फल और सलाद में ही ये एंजाइम्स बरकरार रहते हैं। ऐसे में हर मील के साथ सलाद जरूर खाएं। कम से कम सप्ताह में तीन बार सलाद जरूर खाएं।

*जैसे आप बॉडी की एक्सरसाइज करते हैं वैसे ही सलाद खाने से मसूड़े और दांतों की एक्सरसाइज होती हैं जिससे ये स्वस्थ रहते हैं। जो लोग बिल्कुल भी सलाद नहीं खाते हैं उनके गम्स बिल्कुल भी मजबूत नहीं होते हैं।

* सलाद में भरपूर मात्रा में फाइबर होता है। जब हम सलाद खाते हैं तो प्राकृतिक रूप से फाइबर खाते हैं जिससे शरीर में फाइबर की कमी नहीं होती।

* पाचन तंत्र के लिए भी सलाद बहुत अच्छा होता है।

-इसके अलावा वजन कम करना हो तो भी सलाद खाना चाहिए। यदि आप काफी समय से हेल्दी डायट प्लान कर रहे हैं तो खाने से पहले सलाद खाएं इससे आप खुद ही फूड कम खाएंगे।

-जो लोग नॉनवेज खाते हैं उनके लिए सलाद बहुत फायदेमंद हैं। दरअसल, नॉनवेज में बिल्कुल भी फाइबर नहीं होता और साथ ही नॉनवेज से एसिडिटी होती हैं। ऐसे में नॉनवेज डायट को संतुलित करने के लिए भी सलाद खाना चाहिए।

* सलाद में कैल्शियम, मिनरल्स जैसी चीजें भी पाईं जाती हैं जो शरीर के लिए बहुत जरूरी हैं। रोजाना सलाद खाने से आप हेल्दी और फिट रहेंगे।

# इन ट्रिक्स की मदद से करें शॉवर की सफाई

गर्मियों का मौसम आ चुका हैं जिसमें सभी सबसे ज्यादा आनंद लेनेते हैं नहाने का जो शरीर को ठंडक प्रदान करता हैं। इसमें भी कई लोग शॉवर से नहाने का आनंद लेना पसंद करते हैं। ठंड के दिनों में तो कोई शॉवर का इस्तेमाल नहीं करता हैं जिसकी वजह से बहुत दिन काम ना आने की वजह से इसमें पानी जमने की समस्या पैदा हो जाती हैं और शॉवर से पानी धीरे आने लगता हैं जिसकी वजह से नहाने में वह आनंद नहीं आ पाता हैं। शॉवर हेड कई कारणों से ब्लॉक हो सकता है लेकिन मिनरल और जंग का लगना मुख्य कारण हैं जो ब्लॉकेज का कारण बनते हैं। ऐसे में आज इस कड़ी में हम आपके लिए कुछ ऐसे घरेलू नुस्खें लेकर आए हैं जिनकी मदद से शॉवर की सफाई की जा सकती हैं और पानी के प्रेशर को बढ़ाया जा सकता हैं। तो आइये जानते हैं इन नुस्खों के बारे में...

**बेकिंग सोडा और सफेद सिरका**

शावर की सफाई करने की तरकीब आपके किचन में ही मौजूद है। जी हां, बेकिंग सोडा और सफेद सिरका किचन के ही नहीं बल्कि बाथरूम के भी बेस्ट क्लीनिंग एजेंट्स होते हैं। इनकी मदद से आप शावर को आसानी से साफ कर सकते हैं। इसके अलावा सफाई के लिए एक मोटा रबर बैंड और पॉलीथिन भी ले लें। सबसे पहले बेकिंग सोडा में सिरका डालकर घोल तैयार कर लें। अब इस सॉल्यूशन को पॉलीथिन में डालकर शावर के छेद पर कसकर बांध दें। इसे आधे घंटे के लिए छोड़ दें। आधे घंटे में ये सॉल्यूशन शावर के छेद में जमा गंदगी को साफ कर देगा।

हार्पिक स्प्रे का इस्तेमाल -अगर शावर में खारा पानी जम गया है तो सबसे पहले नीचे से पानी की सप्लाई बंद करें और इसमें हार्पिक स्प्रे अंदर डालने की कोशिश करें। अगर आप शावर का कैप निकाल पाएं तो उससे स्प्रे डालें अगर नहीं तो ब्रश और कपड़े की मदद इसे शावर के अंदर डालने की कोशिश करें। ध्यान रहे कि नॉजल स्प्रे वाली जाली को निकाल दें। क्योंकि अगर ये लगी रहेगी तो ये मिक्सचर किसी भी तरह से शावर के अंदर नहीं जा पाएगा। आपको इसे 20 मिनट के लिए छोड़ना है और उसके बाद गुनगुने पानी से साफ करना है।

# सीएम ने किया मोस्टामानू महोत्सव में प्रतिभाग

**देहरादून ।** मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने गुरूवार को वर्चुअल माध्यम से मोस्टामानू महोत्सव में प्रतिभाग किया। इस अवसर पर पिथौरागढ़ जनपद के अंतर्गत 62 करोड़ रुपये से अधिक की लागत की 15 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया गया। इसके अंतर्गत स्वास्थ्य, शिक्षा, पेयजल एवं पर्यटन से जुड़ी विभिन्न विकासपरक योजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास शामिल हैं।

मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि मोस्टामानू का मेला हमारी आस्था, विश्वास, और समृद्ध परंपराओं का प्रतीक है। यह केवल एक धार्मिक या पारंपरिक आयोजन नहीं, बल्कि हमारे सामाजिक और सांस्कृतिक जीवन का एक अभिन्न हिस्सा है, जो कृषि और पशुपालन से जुड़े हमारे ग्रामीण जीवन की विशिष्टताओं को भी दर्शाता है। ऐसे आयोजन हमारी समृद्ध परंपराओं को संजोए रखते हुए उन्हें आने वाली पीढ़ियों तक पहुँचाने में भी सहायक सिद्ध होते हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हमारी धार्मिक और सांस्कृतिक धरोहरों के संरक्षण और संवर्धन की दिशा में उल्लेखनीय कार्य हो रहे हैं। उनके मार्गदर्शन में उत्तराखंड के समग्र विकास के साथ-साथ धार्मिक स्थलों के पुनर्निर्माण और हमारी पहचान को सुरक्षित रखने के

लिए राज्य सरकार निरंतर कार्य कर रही है। केदारखंड की भांति मानसखंड में स्थित कुमाऊं के पौराणिक मंदिरों के भी पुनरुत्थान एवं सौंदर्यीकरण के कार्य किये जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस पवित्र स्थल के सौंदर्यीकरण के लिए लगभग 1 करोड़ रुपए की लागत से विभिन्न कार्य कराए गए हैं। 6 करोड़ से अधिक की लागत से गंगोलीहाट में हाट कालिका मंदिर के सौंदर्यीकरण का कार्य कराया जा रहा है। 43 करोड़ रूपए की लागत से बजेटी शनि मंदिर, हनुमान मंदिर तथा लक्ष्मी नारायण मंदिर के समीप आधुनिक पार्किंग स्थलों का निर्माण भी किया जा रहा है। सरकार विभिन्न परियोजनाओं के माध्यम से पिथौरागढ़ जनपद सहित संपूर्ण क्षेत्र के समग्र विकास को सुनिश्चित करने हेतु पूर्ण प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि साढ़े सात सौ करोड़ रूपए से अधिक की लागत से पिथौरगढ़ मेडिकल कॉलेज के भवन का निर्माण किया जा रहा है। मेडिकल कॉलेज पिथौरागढ़ में लगभग 21 करोड़ की लागत से 50 बेड के क्रिटिकल केयर ब्लॉक का निर्माण कार्य भी कराया जा रहा है। 25 करोड़ रुपए की लागत से अस्कोट, गंगोलीहाट और धारचूला में नए बस स्टेशनों के निर्माण के साथ ही पिथौरागढ़ में रोडवेज वर्कशॉप का निर्माण कार्य भी कराया गया है। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अंतर्गत 327 करोड़ रुपए से अधिक की लागत से क्षेत्र में विभिन्न सड़कों का निर्माण कार्य भी गतिमान है। पिथौरागढ़ को हल्द्वानी, देहरादून और दिल्ली से हवाई सेवा द्वारा जोड़ा है। पिथौरागढ़ हवाई अड्डे को 450 करोड़ रुपये की लागत से आधुनिक स्वरूप में विकसित करने हेतु एयरपोर्ट अथॉरिटी और राज्य सरकार के बीच एमओयू किया चुका है, जिस पर शीघ्र ही कार्य प्रारंभ किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने देशवासियों से आह्वान किया है कि सभी भारतवासी स्वदेशी उत्पादों का अधिक से अधिक उपयोग करें, जिससे आत्मनिर्भर भारत का संकल्प और भी सशक्त हो सके। उन्होंने प्रसन्नता व्यक्त की कि इस मेले में हमारे स्वदेशी उत्पादों के कई स्टॉल लगे हैं, जिसमे हमारे स्थानीय कारीगरों, शिल्पकारों, किसानों और महिला समूहों द्वारा निर्मित उत्पादों को प्रदर्शित किया गया है। उन्होंने प्रदेशवासियों से अपील की कि स्वदेशी अपनाओ देश को मजबूत बनाओ'' के मंत्र को आत्मसात करते हुए अधिक से अधिक स्वदेशी उत्पादों का उपयोग करें।

मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर पिथौरागढ़ जनपद के लिए विभिन्न घोषणाएं की। उन्होंने कहा कि विकासखण्ड बिण के ग्रामसभा देवत पुरचौड़ा स्थित पहाड़ी से भूस्खलन रोकने के लिए ट्रीटमेंट का कार्य कराया जायेगा। नैनीसैनी-देवत पुरचौडा-कुम्डार से कनारी मोटर मार्ग में सुरक्षात्मक कार्य किया जायेगा। चंडाक में ईको पार्क एवं स्मृति वन का निर्माण किया जायेगा।

मोस्टामानू मंदिर का सौन्दर्यीकरण कराया जायेगा। पिथौरागढ़ के नगर क्षेत्र घण्टाकर्ण से चंडाक तक सड़क के डबल कटिंग का कार्य किया जायेगा। ग्राम हलपाटी से मोस्टामानू तक सड़क का निर्माण कार्य किया जायेगा। नैनीसैनी एयरपोर्ट के निकट सिटी गार्डन का निर्माण कार्य किया जायेगा। इस अवसर पर भाजपा के जिला अध्यक्ष गिरीश जोशी, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष दीपिका बोरा, पुलिस अधीक्षक रेखा यादव, मेयर नगर निगम कल्पना देवलाल, डीएफओ आशुतोष सिंह, मेला समिति अध्यक्ष वीरेंद्र बोरा सहित समिति के पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

# ग्राम सारकोट का भ्रमण कर हरिद्वार के अधिकारियों ने समझा आदर्श मॉडल

**हरिद्वार ।** मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की महत्वाकांक्षी मुख्यमंत्री आदर्श ग्राम योजना के तहत अब प्रत्येक जनपद में एक गांव को आदर्श ग्राम के रूप में विकसित किया जाएगा। यह घोषणा उत्तराखंड के माननीय मुख्यमंत्री जी ने की है, जिसका उद्देश्य ग्राम पंचायत सारकोट, विकास खंड गैरसैंण, जनपद चमोली की सफलता को राज्य के अन्य हिस्सों में दोहराना है। इसी क्रम में, मुख्यमंत्री के निर्देश पर विभिन्न जिलों के मुख्य विकास अधिकारी (सीडीओ) और अन्य वरिष्ठ अधिकारी आदर्श ग्राम सारकोट का दौरा कर रहे हैं, ताकि वे इस मॉडल को समझकर अपने-अपने जिलों में लागू कर सकें।

हाल ही में, इसी उद्देश्य से जनपद हरिद्वार के परियोजना निदेशक, ग्राम्य विकास, कैलाश नाथ तिवारी, और मुख्य उद्यान अधिकारी, तेजपाल सिंह, ने ग्राम सारकोट का विस्तृत भ्रमण किया। इस दौरान उन्होंने गांव की नवनिर्वाचित प्रधान सुश्री प्रियंका नेगी और समस्त ग्रामवासियों के साथ एक बैठक की। बैठक में अधिकारियों ने आदर्श ग्राम योजना के कार्यान्वयन, लोगों के जनसहयोग और इस मॉडल की सफलता के पीछे के कारणों पर गहन चर्चा की।

खंड विकास अधिकारी, गैरसैंण, पवन कंडारी ने गांव की विस्तृत रूपरेखा प्रस्तुत की। उन्होंने बताया कि सारकोट में विभिन्न विभागीय योजनाओं को कन्वर्जेंस मॉडल (अभिसरण मॉडल) के तहत क्रियान्वित किया जा रहा है।

इसका मतलब है कि अलग-अलग सरकारी विभागों की योजनाओं को एक साथ मिलाकर काम किया जा रहा है, ताकि संसाधनों का अधिकतम उपयोग हो सके। उन्होंने यह भी बताया कि गांव के सभी घरों को एक ही रंग में रंगा गया है, जिसके लिए अनटाइड फंड (अंबद्ध निधि) से ग्रामीण कार्य विभाग (आरडब्ल्यूडी) को बजट उपलब्ध कराया गया था।

मुख्यमंत्री आदर्श ग्राम के रूप में सारकोट के चयन का एक मुख्य कारण यहां से होने वाला कम पलायन है। इसके अतिरिक्त, इस गांव में प्राचीन संस्कृति और वास्तुकला आज भी जीवंत है, जैसे कि पत्थर के बने मकान (पाटल)। गांव में बुनियादी ढांचे के विकास के लिए मुख्यमंत्री के सहयोग से कई कार्य चल रहे हैं। आर्थिक रूप से, सारकोट कृषि उत्पादन, विशेषकर मोटे अनाज की पैदावार, के लिए जाना जाता है। इसके साथ-साथ, पशुपालन भी यहां के निवासियों के लिए आय का एक प्रमुख साधन है। गांव में शिक्षा की गुणवत्ता और सामाजिक विकास के लिए भी लगातार कार्य किए जा रहे हैं।

बैठक में ग्राम प्रधान सुश्री प्रियंका नेगी, खंड विकास अधिकारी पवन कंडारी, और सभी ग्रामवासी उपस्थित थे। अधिकारियों ने सारकोट के मॉडल की सराहना की और इसे अन्य जिलों में लागू करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। यह पहल ग्रामीण विकास और आत्मनिर्भरता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

# हरिद्वार में एलपीजी गैस की कालाबाजरी का भंडाफोड़

**हरिद्वार ।** बहादराबाद इंडेन गैस बॉटलिंग प्लांट के पास एक बंद कंपनी में जिला आपूर्ति विभाग और पुलिस की संयुक्त टीम ने छापेमारी में एलपीजी गैस की बड़ी कालाबजारी पकड़ी है। टीम ने गैस के दो कैप्सूल ट्रक, 61 कमर्शियल सिलेंडर और एक ढुलाई वाहन जब्त कर लिया है। साथ ही, बड़ी संख्या में गैस रिफिलिंग के अन्य उपकरणों को भी कब्जे में लिया गया है। मामले में उपायुक्त तेज बल सिंह ने दो फर्म सहित कुल सात आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कराया है। मंगलवार देर रात को छापेमारी के दौरान दो आरोपी टीम को देखते ही मौके से फरार हो गए। टीम ने अवैध गैस रिफिलिंग करते हुए मौके से तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर पूछताछ कर रही है। बुधवार को उपायुक्त ने बताया कि कई दिनों से क्षेत्र में अवैध गैस रिफिलिंग और सिलेंडर की कालाबाजारी करने की शिकायत मिल रही थी। शिकायत के आधार पर छापेमारी की गई है। बताया कि मौके से करीब 34 टन एलपीजी गैस से भरे दो कैप्सूल ट्रकों को जब्त किया गया है। इन दोनों कैप्सूल ट्रक से नोजल और पाइप की मदद से गैस की चोरी करते हुए तीन आरोपी मुजफ्फरनगर निवासी अंकित, ऋषिकेश निवासी सुरजीत और रीवा निवासी दीपक शुक्ला को गिरफ्तार किया गया है। कैप्सूल ट्रक की दो संबंधित फर्म और दो फरार आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। बताया कि मामले में आरोपियों के खिलाफ आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 और एलपीजी कंट्रोल ऑर्डर 2000 के तहत कठोर कार्रवाई की जाएगी। छापेमारी के दौरान प्रभारी निरीक्षक कमल मोहन भंडारी, क्षेत्रीय खाद्य अधिकारी रवि सनवाल, पूर्ति निरीक्षक मुकुल शर्मा, उपनिरीक्षक मोहन सिंह रावत, आरक्षी राजेंद्र रौतेला, जोत सिंह आदि मौजूद रहे।

स्वामी,मुद्रक व प्रकाशक अवनीश कुमार द्वारा भगवती प्रिंटर्स,इण्डस्ट्रियल एरिया, हरिद्वार से छपवाकर ग्रा. बसवाखेड़ी पो. मंगलौर, हरिद्वार (उत्तराखण्ड़) से प्रकाशित किया।

**सम्पादकः अवनीश कुमार, मो०** 9410553400

ई-मेलः liveskgnews@gmail.com

**(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र हरिद्वार न्यायालय में ही होगा)**

**सभी लेखों में सम्पादक की सहमति जरूरी नही है।**